मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

साल 8 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक-10 जून 2026 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING

The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Our Activities

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक - 9414554322, **सह-सम्पादक :** रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलबीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया 9680931428

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ट संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ट संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

''बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोय।
जो दिल खोजा आपना, मुझ से बुरा न कोय।।''

संत कबीर के इस दोहे का अर्थ है कि जब मैं बुराई खोजन निकला, तो मुझे कोई बुरा न मिला। लेकिन जब मैंने अपने मन में झांककर देखा तो पाया कि मुझसे बुरा कोई ओर नहीं है। इससे यह सीख मिलती है कि हम सभी को स्वयं के भीतर देखना चाहिये और उसमें जो भी बुराईयां दिखे उन्हें अपने से दूर करने का प्रयास करना चाहिए। उसके बाद हमें सारा संसार अच्छा लगने लगेगा।

कबीर 15वीं सदी के रहस्यवादी कवि थे। वे जातिपाति, अंधविश्वास, पाखंड, कर्मकाण्ड और ढोंग विरोधी थे। हालांकि वे ईश्वर में विश्वास रखते थे तथा निर्गुण व्यक्ति के उपासक थे। उन्होंने आम बोलचाल की भाषा में प्रेम, एकता, अहिंसा और मानवता का संदेश दिया। वे कहते थे कि ईश्वर कण-कण में व्याप्त है। कबीर के अनमोल वचन और दोहे जीवन की सच्चाइयों, नैतिकता और आत्मज्ञान को दर्शाते हैं। इसीलिए उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक है। कबीर ने सारा जीवन परिवार के साथ बिताया और परिवार के भरण-पोषण के लिए कपड़ा बुनते थे। हम भी भक्ति मार्ग पर चलना चाहते हैं तो परिवार में रहकर ईश्वर प्राप्ति कर सकते हैं। इसके लिए निर्मल मन, प्रेम और विश्वास के साथ सद्मार्ग पर चलने की जरूरत है। कबीर कर्म करने और कार्य को कल पर छोड़ने की मनाही करते हैं—

''काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।
पल में प्रलय होयेगी, बहुरि करेगा कब।।''

यह आलस्य छोड़कर आज और अभी काम पूरा करने का संदेश है। यह हर काल और परिस्थिति में लागू होता है तथा समय पर कार्य होने से अनावश्यक समय नष्ट नहीं होता न ही काम का तनाव रहता है। कबीर धन-दौलत और यौवन का घमंड नहीं करने, अहंकार का नाश करने, दूसरों को छोटा नहीं समझने, वाणी की मधुरता और वर्तमान में जीने का संदेश देते हैं।

आज लोग धन और पद के घमंड में चूर है तथा जो व्यक्ति सामाजिक संस्थाओं में पद ले लेता है उसे छोड़ना नहीं चाहता। ऐसे लोग अहंकारी तो हो ही जाते हैं साथ ही दूसरों को तुच्छ समझ कर व्यवहार करने लगते हैं, ये लोग अपने को समाज से ऊपर मानने लगते हैं। कबीर संतोष और सादगी से जीने का संदेश देते हैं।

कबीर की शिक्षाएं 21वीं सदी में भी प्रासंगिक, उन पर अमल कर लिया जाए तो सहजता से जीवन जीया जा सकता है, जो तनाव रहित और मानवतावादी होगा।

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय 3
कुमावत गौरव : श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा, महंत श्री परशुराम स्वामी 5
श्रीराम नवमी पर 500 महिलाओं ने निकाली कलशयात्रा 6
कुमावत प्रतिभा सम्मान समारोह किशनगढ-रेनवाल 7
सामुहिक विवाह में वर-वधुओं की निकासी गाजे-बाजे से निकाली 7
सांसद ने पर्यावरण कार्यकर्ता श्रेया का सम्मान किया 7
निमाज : कुमावत समाज का एक करोड से बनेगा गुरुकुल 7
ग्लोबल फलक पर चमके तारे निहारने वाले 'उदयपुर के दो सितारे' 8
वूमेन चैंपियनशिप में कुमावत महिलाओं ने जीते 3 पदक 8
कुमावत समाज सकरामपुरा धोलीबावड़ी संस्थान उदयपुर 8
36वीं श्री माता वैष्णो देवी पदयात्रा 22 जुलाई से होगी प्रारंभ 9
माता-पिता की स्मृति में चिकित्सा जांच शिविर आयोजित 9
My FM; इंडियन करोड़पति लीग-साक्षी कुमावत ने जीता LED TV 9
प्रोफेसर बबीता कुमावत को मिला श्रेष्ठ रचना शिल्पी सम्मान 10
प्रियांशी कुमावत बनी डॉक्टर 10
मनासा के युवा ने रचा इतिहास, देश में प्रथम स्थान हासिल कर जीता गोल्ड मेडल 10
कृष्ण कुमावत मलेशिया में बने रेफरी 10
कुमावत समाज का अपना डिजिटल प्लेटफॉर्म — रिश्तों से व्यापार तक — समाज को जोड़ने की एक नई पहल 11
दु:ख का कारण एवं निवारण का उपाय 11
रिश्ता कुमावत परिचय सम्मेलन समिति, रजिस्टर्ड पुष्कर का सामुहिक विवाह सम्पन्न 12
तीन साल में 11 हजार बच्चों को शिक्षण सामग्री व 2.5 लाख बोतल-टिफिन बांटे 13
साधारण जीव के मन में भी आशा जगाते हैं कबीर : ओशो 13
'भारत के महान वैज्ञानिक' 99 वीं 'ईबुक' का हुआ विमोचन 14
'कुटुम्ब कबीलो' फिल्म के फर्स्ट पोस्टर का विमोचन 14
फूलचंद कुमावत ने IIT जोधपुर से M.Tech. किया 14
खाटूश्यामजी में करण कुमावत पर जानलेवा हमला 14
उर्वशी बालोदिया को ''साहित्य रत्न सम्मान'' 15
नर्सिंग ऑफिसर ज्ञान प्रकाश को स्टेट लेबल एक्सीलेंस अवार्ड 15
डॉ. अंजू को ऑनरेरी एक्सीलेंस अवार्ड 15
मोदी को सर्वोच्च सम्मान 15
सरोज कुमावत ने अमेरिका के संस्थान से मास्टर डिग्री की 16
आशुतोष कुमावत को पीएचडी की उपाधि 16
भीलवाड़ा की जमना कुमावत बनीं अव्वल, 32 लाख कमाए 16
चेतन कुमावत भाजपा ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त 16
पवन ने जीता गोल्ड/ केन्द्रीय खेल मंत्री ने सम्मानित किया 17
पीएचडी की उपाधि मिलने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई 17
धर्म और महाभारत 19
वास्तुविद पुष्पेन्द्र कुमावत को जापान में आयोजित 'भारतीय वैदिक साइन्स सेमिनार' में विशेष आमंत्रण 19
माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण कानून 20
समाज को सोच बदलने की पुकार 21
सामाजिक कुरीतियों के खात्मे के लिए निर्णय 21
बढ़ते कदम : शिक्षा, संस्कार और सपनों की दिशा में बढ़ती पीढ़ी... 22
परम्पराएं रूढ़िवादिता नहीं 23
आटा-साटा पर हाईकोर्ट की सख्ती; कहा... बेटियां सौदे की वस्तु नहीं 23
विशिष्ठ संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि 24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची 25
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें 26
विज्ञापन 28-30

श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा) M.Sc., B.Ed.

श्री सुरेन्द्र कुमार का जन्म 15 मार्च 1939 को श्रीमती धन्नी देवी-श्री भँवर लाल नागा के परिवार में हुआ। इनके पिता बिल्डिंग कन्स्ट्रक्शन कार्य से जुड़े हुए थे। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा श्वेताम्बर जैन हाईस्कूल, घी वालों का रास्ता जयपुर में हुई। तत्पश्चात 10वीं तथा हाई स्कूल प्राईवेट पढ़कर प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। तब प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होना प्रतिभावान की श्रेणी में माना जाता था। इसके बाद आपने वर्ष 1960 में महाराजा कॉलेज से B.Sc. एवं M.Sc. तथा वर्ष 1968-69 में B.Ed. किया। उन दिनों हमारे समाज में उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले चंद लोग ही थे। इससे इनकी शिक्षा के प्रति रुचि एवं जागरूकता स्वत: ही जाहिर होती है। इन्होंने वर्ष 1964 से 1994 तक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में गणित (Maths) पढ़ाई।

इनका विवाह पद्मश्री श्री राम प्रकाश गहलोत (चीफ आर्किटेक्ट सीपीडब्ल्यूडी) की पुत्री विजय कुमारी से 15 जून 1963 को बड़े धूमधाम से हुआ जो समाज के गणमान्य एवं प्रतिष्ठित लोगों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ, इसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के प्रतिनिधि की भी गरिमामय उपस्थिति रही। आपके दो पुत्रियां व एक पुत्र हैं जो उच्च शिक्षित हैं। आपकी पुत्री सीमा का विवाह जोबनेर (हाल मुम्बई) निवासी श्री मुकेश वर्मा तथा कविता का विवाह नवलगढ़ (हाल मुम्बई) निवासी पंकज वर्मा के साथ हुआ है। आपके प्रतिभावान पुत्र इंजीनियर श्री संदीप नागा ने BE, MNIT से उत्तीर्ण कर NBC में सेवाएं दी तथा वर्तमान में JECRC की सीनियर फेकल्टी मेम्बर है।

श्री सुरेन्द्र नागा की पहचान उनके सामाजिक कार्यों से अधिक है। ये समाज के ऐसे व्यक्तित्व हैं **इन्होंने वर्ष 1963 से वर्ष 1994 तक लगातार कुमावत समाज की पत्रिका के लिए कार्य किया तथा इसके प्रचार-प्रसार एवं जुड़ाव के लिए भारत के 61 शहरों व गांवों में गये जिनमें महाराष्ट्र, गुजरात, यूपी, दिल्ली तथा बिहार भी शामिल है।** वर्ष 1970 से ये पत्रिका के लम्बे समय तक सम्पादक व अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे तथा अपनी मेहनत, निष्ठा एवं ईमानदारी से समाज की पत्रिका को पहचान दी। वर्ष 2017 में **'कुमावत इंडिया'** के नाम से एक नई पत्रिका प्रारम्भ करना भी इनकी सोच का परिणाम है, जिसका प्रकाशन होते लगभग 9 वर्ष हो गये हैं। आप इसके भी अध्यक्ष व सम्पादक रहे हैं...**शेष पृष्ठ 12 पर**

महंत श्री परशुराम स्वामी MA (संस्कृत)

श्री राम सहाय जी एवं श्रीमती गुन्नू बाई के घर में एक चिराग का जन्म हुआ जिसे नाम मिला परशुराम। इनके जन्म के 1 वर्ष बाद इनके माता-पिता कबीर पंथ के गुरु श्री रघुनाथ दास जी जलान्धरा के शिष्य बने। उन्होंने गुरुजी की खूब सेवा की। किन्तु 6 माह ही व्यतीत हुए थे कि इनके माता-पिता का निधन हो गया। तब बालक परशुराम मात्र डेढ़ वर्ष के ही थे। तब गुरु रघुनाथ जी ने इन्हें गोद ले लिया और इनकी परवरिश एवं शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी अपने पर ले ली। बालक परशुराम की बुद्धि तीव्र थी और पढ़ने की लगन थी। माध्यमिक शिक्षा के बाद इलेक्ट्रिकल्स विषय में ITI की। इसके बाद इलेक्ट्रिशियन की नौकरी प्रारम्भ की। किन्तु गलति से मेन स्वीच में कार्य करते हुए शार्ट सर्किट हो गया पर ये बच गये। इस घटना के बाद गुरुजी ने इनकी नौकरी छुड़ा दी और उच्च अध्ययन करने को कहा। इन्होंने आगे की पढ़ाई की तथा संस्कृत में M.A. किया।

इनका विवाह श्री लक्ष्मीनारायण जी खोरानिया की पुत्री राजकुमारी के साथ हुआ, जिन्होंने इनका हर समय साथ दिया है। इनके गुरु श्री रघुनाथ दास जी ने अपने जीवनकाल में ही वर्ष 1971 में कबीर पीठ (कबीर आश्रम) मोती डूंगरी, जयपुर का उत्तराधिकारी बना दिया था। बाद में काशी के अन्तर्राष्ट्रीय आचार्य श्री अमृत सहाय जी यहां पधारे और सभी शिष्यों एवं अनुयायियों के समक्ष श्री परशुराम जी को पंजा (प्रमाण पत्र) सौंपा तथा विधिवत इन्हें महंत घोषित किया। तब से ही ये कबीर आश्रम के महंत हैं।

महंत पी.आर. स्वामी जी बहुप्रतिभा के धनी हैं। ये संत कबीर दास जी के अधिकृत भजनों को सुरीली आवाज तो देते ही हैं साथ ही खाटूश्याम जी, गणेश जी, हनुमान जी आदि भजन भी गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। **जब ये खाटूश्याम जी में श्याम घणी के भजन गा रहे तो गुलशन कुमार जी (टी सीरीज) ने इनका हुनर पहचाना और इन्हें वे अपने साथ ले गये। ये राजस्थान के पहले व्यक्ति थे जिन्हें टी सीरीज ने चुना और "श्याम घणी सैलानी" नाम से इनके द्वारा गाए हुए भजनों की कैसेट बनी।** ये नियमित रूप से रेडियो व दूरदर्शन पर भजन गाते हैं तथा इन्हे बी ग्रेड मिली हुई है। इसके अलावा देश-विदेश में भी कबीर भजन गायन के लिए इन्हें बुलाया जाता है। **नेपाल महाराज ने इनका अभिनन्दन किया था और इनको अन्तर्राष्ट्रीय भजन गायक की उपाधि से सुशोभित किया था।** **...शेष पृष्ठ 12 पर**

हिंमाशु कुमावत, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट सीकर से प्रमोशन हो कर उप सचिव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर में कार्यग्रहण करने पर **हार्दिक बधाई।**

ऋषि कुमावत पुत्र: गणेश लाल कुमावत, नाथद्वारा, राजसमंद, राजस्थान ने क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ़ लंदन से मैनेजमेंट में M.Sc. की डिग्री प्राप्त की।

आर्किटेक्चर (B.Arch.) में स्नातक की डिग्री भी प्राप्त की है। **बहुत-बहुत बधाई।**

श्रीमाधोपुर के **प्रदीप कुमावत** को राजस्थान उच्च न्यायालय ने न्यायिक सेवा में पदोन्नति प्रदान की गयी है। राजस्थान उच्च न्यायालय ने उन्हें पदोन्नति के बाद अलवर में राजस्थान अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश संख्या 4(एडिजे-4) की जिम्मेदारी सोंपी है। **बहुत-बहुत बधाई।**

डॉक्टर नवीन कुमावत का UPSC CMS 2025 AIR 144 वीं रैंक हासिल कर मेडिकल ऑफिसर Medical officer. Kotkasim (Khairthal-Tizara) में अंतिम रूप से चयन होने पर **बहुत बहुत बधाई।**

रेखा कुमावत पुत्री श्री रामलाल एडवोकेट ने MBBS कर डाक्टर बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए।

शिक्षिका मनीषा कुमावत राष्ट्रीय स्तर पर हुई सम्मानित

केशवरायपाटन के राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय, राजराजेश्वर रोड की अध्यापिका मनीषा कुमावत का चयन राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान के लिए हुआ। कुमावत को 5 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के उपलक्ष में चौधरी केहर सिंह एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया था।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जैसलमेर की नवीन जिला कार्यकारिणी **श्री मूलाराम जी कुमावत,** रामदेवरा को जिला सचिव मनोनीत होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

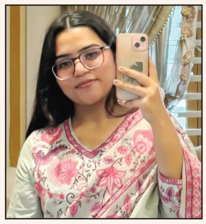

काचरौदा ग्रा.पंचायत की होनहार प्रतिभा **कु.जान्हवी कुमावत** सुपुत्री श्री राजेंद्र बड़ीवाल निवासी काचरोदा, फुलेरा द्वारा प्रथम श्रेणी से MBBS पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

प्रकाश कुमावत कैप्टन पद पर पदोन्नत

सोलंकियातला निवासी लेफ्टिनेंट प्रकाश कुमावत पुत्र श्री तेजाराम कुमावत सोलंकिया, तला तहसील, शेरगढ़ जिला जोधपुर हाल निवास झालामंड, जोधपुर को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट से कैप्टन बनने पर बहुत-बहुत बधाई।

निर्मल कुमावत निवासी जोबनेर को चार्टेड अकाउंटेंट (CA) बनने पर बहुत बहुत बधाई एवं उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

कला, सिनेमा, सृजन और लोक-संस्कृति के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान देने वाली राजस्थान की तीन महान विभूतियों को पद्म सम्मान से अलंकृत किया जाना पूरे राष्ट्र के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है।

राजस्थान की धरती के गौरव, **स्वर्गीय पियूष पांडेय** को मरणोपरांत पद्म भूषण, सुप्रसिद्ध अभिनेता एवं बीकानेर के पूर्व सांसद स्वर्गीय **धर्मेन्द्र** को मरणोपरांत पद्म विभूषण, तथा जैसलमेर के प्रख्यात अलगोजा वादक **तगाराम भील** को पद्मश्री से सम्मानित किया जाना हम सभी के लिए गर्व और सम्मान की अनुभूति कराता है।

कुमावत प्रतिभा सम्मान समारोह किशनगढ-रेनवाल

किशनगढ़ रेनवाल के लूनियावास में कुमावत समाज विकास समिति द्वारा आयोजित कुमावत प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ।

इस अवसर पर सुरेन्द्र लांबा एडवोकेट ने प्रतिभाशाली युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में कभी छोटा लक्ष्य नहीं रखना चाहिए, बल्कि हमेशा उच्च लक्ष्य निर्धारित कर उसे हासिल करने के लिए पूरी मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

इस अवसर पर फुलेरा के पूर्व विधायक श्री निर्मल कुमावत, दातांरामगढ़ से भाजपा प्रत्याशी गजानंद कुमावत, संत श्री गोपाल कृष्ण महाराज, सांगानेर के पूर्व प्रधान कैलाश कुमावत, एडवोकेट सुरेन्द्र लाम्बा, डा. आर सी कुमावत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सामुहिक विवाह में वर-वधुओं की निकासी गाजे-बाजे से निकाली

सवाईमाधोपुर। श्री कुमावत क्षत्रिय समाज शैक्षिक विकास समिति के तत्वाधान में कुमावत समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन खेड़ा पति बालाजी माधोराजपुरा में हुआ। इस दौरान समाज के 12 जोड़े समाज की मौजूदगी में हमसफर बने।

सर्व कुमावत क्षत्रीय महासभा जिलाध्यक्ष वि दौराया ने बताया कि सुबह कलशयात्रा एवं वर-वधु की निकासी गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। इस बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भामाशाह का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में संरक्षक बेनी प्रसाद सिरोंन जिला महामंत्री धर्मवीर कुमावत, चंदू, नारायण काकरवाल, बाबू लाल भौरोदिया, भंवर लाल उदयवाल, बद्रीप्रसाद नान्दीवाल, भैरू लाल, मोहन सिरस्वा, लक्ष्मी नारायण खनदारिया, भगवान खनदारिया, गिर्राज भातरा, राजवीर कुमावत भाग लिया। समिति अध्यक्ष डॉ. जयनारायण जूनवाल भामाशाह एस.एन. खोवाल ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सामाजिक एकता बढता है।

सांसद ने पर्यावरण कार्यकर्ता श्रेया का सम्मान किया

शाहपुरा। सांसद दामोदर अग्रवाल ने पर्यावरण कार्यकर्ता **श्रेया कुमावत** को उनके सामाजिक और पर्यावरणीय काम के लिए सम्मानित किया। श्रेया ने सांसद से मुलाकात की। अपने अभियानों की जानकारी दी। श्रेया ने वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान, भारतीय वनस्पति बीज संरक्षण, जैविक खेती, कैंसर पीड़ितों के लिए हेयर डोनेट जैसे काम बताए। सांसद अग्रवाल ने श्रेया को प्रशंसा पत्र दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी युवा प्रतिभाएं देश का भविष्य हैं। समाज को सही दिशा देती हैं। सांसद ने श्रेया के प्रयासों को राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान बताया। शाहपुरा की श्रेया कुमावत ने कम उम्र में हजारों पौधे तैयार किए जो नि:शुल्क बांटे। स्कूलों और समाज में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जन-जागरूकता फैलाई।

निमाज : कुमावत समाज का एक करोड से बनेगा गुरुकुल

कस्बे के बर रोड स्थित कुमावत शिक्षा ट्रस्ट की खातेदारी भूमि पर गुरुकुल निर्माण को लेकर संतों के सान्निध्य में पूजा-अर्चना एवं भूमि पूजन किया गया तथा भवन निर्माण के लिए नींव का मुहूर्त भी किया गया। कुमावत जागृति सेवा समिति अध्यक्ष शिवराम एकलिया ने बताया कि कुमावत शिक्षा ट्रस्ट की खातेदारी भूमि में से दो बीघा जमीन पर एक करोड़ रुपए से भारतीय कुमावत गुरुकुल भवन का निर्माण होगा। गुरुकुल भवन में प्रथम चरण में आठ कमरे, एक हॉल, विद्यार्थियों के लिए सुविधाओं का निर्माण होगा।

गुरुकुल में प्रदेशभर के कुमावत समाज के विद्यार्थी संस्कारवान शिक्षा ग्रहण करेंगे। छह महीने में भवन निर्माण पूर्ण होने पर प्रथम चरण में कक्षा 1 से 10 तक के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। **शिक्षा के साथ-साथ हिंदू संस्कृति के संस्कारों की शिक्षा दी जाएगी।** गुरुकुल भवन निर्माण को लेकर सुंदरकांड हुआ तथा कांग्रेस नेता राजेश कुमावत के सान्निध्य में पूजा-अर्चना की। इसके बाद गुरुकुल निर्माण कार्य शुरू किया गया। भाकर राम, प्रकाश आलोदिया, संजय कुमार, तेजाराम, आशा कुमावत, नारायण लाल, मानकचंद बकरेचा, भंवरलाल कुमावत, मानकचंद, रामेश्वर लाल, अमराराम गोडावड, जोगाराम, रतनलाल महावर सहित कुमावत समाज के लोग मौजूद रहे।

दो भाइयों ने दुनिया को दिखाया भारतीय प्रतिभा का दम, पलाश जर्मनी में समुद्र की गहराई नाप रहे वहीं हार्दिक का हेल्थकेयर पर फोकस

ग्लोबल फलक पर चमके तारे निहारने वाले 'उदयपुर के दो सितारे'

उदयपुर, मात्र 28 की उम्र में **डॉ. पलाश कुमावत** ने जर्मनी की यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रेमेन से मरीन जियोकेमिस्ट्री में **पीएचडी डिग्री सर्वोच्च सम्मान सुम्मा कुम लाउडे के साथ प्राप्त की है।** वर्तमान में वे उसी विश्वविद्यालय में पोस्ट डॉक्टोरल शोधकर्ता के रूप में कार्यरत हैं। मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से भूविज्ञान में स्नातक किया और फिर जर्मनी जाकर मरीन जियोसाइंसेज में मास्टर्स की पढ़ाई की, जहां उन्हें सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जीवन की उत्पत्ति से जुड़े शोध के तार: डॉ. पलाश का शोध समुद्र की गहराइयों में होने वाली उन रासायनिक प्रक्रियाओं पर केंद्रित है. जिनसे हाइड्रोजन-मिथेन जैसी गैसें बनती हैं। उनके शोध से यह खुलासा होता है कि समुद्र में बिना सूरज की रोशनी के कैसे जीवन संभव हो सकता है। उनके शोध को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित किया जा चुका है। यह शोध पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति और अन्य ग्रहों पर जीवन की संभावनाओं को समझने में अहम भूमिका निभा सकता है। डॉ. पलाश प्रशांत महासागर, मध्य अटलांटिक महासागर, उत्तर अटलांटिक और एजियन सागर सहित चार अंतरराष्ट्रीय समुद्री अभियानों का हिस्सा रह चुके हैं।

हार्दिक की अलग पहचानः छोटे ने भी अमरीका में गाड़े झंडे

बड़े भाई की उपलब्धियों से प्रेरित होकर **हार्दिक कुमावत** ने भी अलग पहचान बनाई। महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल से पढ़ाई के बाद मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से भूविज्ञान में स्नातक की शिक्षा ली। फिर अमरीका के प्रतिष्ठित सवाना कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन से सर्विस डिजाइन में मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स किया। यहां संस्थान का एक्सेलसियस लॉरिएट सर्वोच्च छात्र सम्मान मिला। अभी हार्दिक फ्लोरिडा स्थित एडवेंटहेल्थ में इनोवेशन कैटलिस्ट और सर्विस डिजाइनर के रूप में कार्यरत हैं। वे डिजाइन थिंकिंग और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उपयोग कर स्वास्थ्य सेवाओं की जटिल समस्याओं के समाधान विकसित कर रहे हैं।

वूमेन चैंपियनशिप में कुमावत महिलाओं ने जीते 3 पदक

उम्र सिर्फ एक संख्या है, जज़्बा और मेहनत ही असली पहचान है। मास्टर्स एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया वूमेन चैंपियनशिप 2026 के अंतर्गत गोवा में 29 से 31 मई, 2026 तक आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सांगानेर निवासी एडवोकेट पूनम कुमावत (W/o श्री अजय अजमेरा, गणपति इंफ्रा एंड एनर्जी), रजनी कुमावत एवं चंदा कुमावत ने 45+ आयु वर्ग में शॉटपुट, 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 3 पदक जीते। इस प्रतियोगिता में राजस्थान से 10 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें से राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 5 पदक अपने नाम किए। जयपुर से कुमावत समाज की तीन महिलाओं की भागीदारी समाज के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय रही, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान एवं कुमावत समाज का नाम रोशन किया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी राजस्थान ने महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया।

'हौसलों की कोई उम्र नहीं होती, सपनों को सच करने के लिए सिर्फ जज़्बा चाहिए।' सभी खिलाड़ियों को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ।

-एडवोकेट पूनम कुमावत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,
भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा, निवासी - सांगानेर, जयपुर

कुमावत समाज सकरामपुरा धोलीबावड़ी संस्थान उदयपुर

31 मई 2026 को कुमावत समाज, सकरामपुरा, धोली बावड़ी संस्थान, उदयपुर के चुनाव संपन्न हुए, जिसमें अध्यक्ष अनूप टांक, महामंत्री भरत टांक, कोषाध्यक्ष मोहित हटवा, उपाध्यक्ष जगदीश साडिवाल, सहसचिव मोनू बोहरा, सह कोषाध्यक्ष गौरव टांक, संगठन मंत्री सुनील साड़ीवाल, प्रचार -प्रसारमंत्री भूपेंद्र टांक को पंचायत सदस्यों द्वारा निर्विरोध चुना गया। चुनाव अधिकारी विवेक टांक द्वारा इसकी घोषणा की गयी।

36वीं श्री माता वैष्णो देवी पदयात्रा 22 जुलाई से होगी प्रारंभ

जयपुर। श्री माता वैष्णो देवी पदयात्रा सेवा समिति, जयपुर के तत्वावधान में आयोजित होने वाली 36वीं वार्षिक श्री माता वैष्णो देवी पदयात्रा आगामी 22 जुलाई 2026 को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ जयपुर से रवाना होगी। यात्रा का शुभारंभ प्रात: 9 बजे आदर्श बस्ती स्थित शिव मंदिर, टोंक फाटक से होगा, जहां वैदिक मंत्रोच्चार, कलश यात्रा एवं विशेष पूजा-अर्चना के साथ श्रद्धालुओं का जत्था माँ वैष्णो देवी और शिवखोड़ी धाम की पावन यात्रा के लिए प्रस्थान करेगा।

समिति के संस्थापक नवरतन राजोरिया ने बताया कि यात्रा के दौरान श्रद्धालु माँ के जयकारों, भजन-कीर्तन और धार्मिक ध्वजों के साथ आगे बढ़ेंगे। यात्रा मार्ग में मोती डूंगरी गणेश मंदिर, बड़ी चौपड़, आमेर, मनोहरपुर, शाहजहांपुर, रेवाड़ी, रोहतक, नरवाना, लुधियाना, जालंधर, पठानकोट, सांबा और जम्मू सहित विभिन्न स्थानों से होते हुए श्रद्धालु कटरा स्थित विश्वप्रसिद्ध माँ वैष्णो देवी भवन पहुँचेंगे। लगभग 27 दिनों की इस कठिन लेकिन आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण पदयात्रा के पश्चात श्रद्धालु माँ वैष्णो देवी के दर्शन करेंगे तथा इसके बाद शिवभक्तों की आस्था के प्रमुख केंद्र शिवखोड़ी धाम की यात्रा भी करेंगे। 30वें दिन भगवान शिव एवं माँ वैष्णो देवी के आशीर्वाद के साथ यात्रा का समापन होगा।

महामंत्री राजेन्द्र जूनवाल ने बताया कि इस वर्ष लगभग 300 श्रद्धालुओं के पदयात्रा में सम्मिलित होने की संभावना है। यात्रा के दौरान सेवा, अनुशासन, सहयोग और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा, जो समाज में आपसी भाईचारे और आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करने का कार्य करेगा। यात्रा से संबंधित अधिक जानकारी के लिए समिति मुख्यालय, 35 आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर अथवा संस्थापक नवरतन राजोरिया (मो. 9413561841) से संपर्क किया जा सकता है। जय माँ वैष्णो देवी। **चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है।**

माता-पिता की स्मृति में चिकित्सा जांच शिविर आयोजित

जयपुर। स्वर्गीय श्रीमती फूला देवी धर्मपत्नी स्व.श्री फूलचंद बालोदिया की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके पुत्र माधवदास बालोदिया द्वारा मानव सेवा और जनकल्याण की भावना से प्रेरित एक विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच, लेंस प्रत्यारोपण एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन 1 जून को आदर्श नगर स्थित श्री कृष्ण मंदिर परिसर में किया गया। शिविर का आयोजन जिला स्वास्थ्य समिति (अंधता), जयपुर, गोल्डन आई हॉस्पिटल, मालवीय नगर तथा सेवा भारती समिति आदर्श नगर इकाई के सहयोग से सम्पन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने भाग लेकर नेत्र एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं का लाभ उठाया। अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया तथा मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों का चयन कर उनके नि:शुल्क ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही तंबाकू मुक्ति परामर्श एवं उपचार सेवाएं भी प्रदान की गई।

शिविर में नेत्र रोगों के अतिरिक्त होम्योपैथिक चिकित्सा, फिजियोथेरेपी, दंत रोग, पंचकर्म, संजीवनी रेकी, मानसिक एवं आध्यात्मिक परामर्श, लकवा एवं आहार संबंधी रोग, पथरी, गुर्दा एवं मूत्र रोग, रक्तचाप, ब्लड शुगर तथा बी.एम.आई. जांच जैसी विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने की सलाह भी दी। कार्यक्रम में सेवा भारती के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया तथा स्वर्गीय फूला देवी एवं स्व. फूलचंद बालोदिया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए माधव बालोदिया के इस जनसेवी प्रयास की सराहना की। उपस्थित लोगों ने इसे समाज सेवा और पारिवारिक संस्कारों का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए ऐसे आयोजनों की निरंतरता बनाए रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर माधव बालोदिया ने कहा कि माता-पिता ने सदैव सेवा, संवेदना और परोपकार के संस्कार दिए। उन्हीं मूल्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया है। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और समाज के जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही हमारे लिए सबसे बड़ा पुण्य है। माता-पिता की पुण्यतिथि पर जनकल्याण के ऐसे कार्य करना उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि हैं।

आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा, नेत्र जांच एवं तम्बाकू मुक्ति शिविर में लगभग 459 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया।

- माधव बालोदिया

My FM; इंडियन करोड़पति लीग-साक्षी कुमावत ने जीता LED TV

क्रिकेट के इस पीक सीजन में जयपुर के नंबर 1 रेडियो - 94.3 माय एफएम पर ''इंडियन करोड़पति लीग'' में जुड़े थे ''सिक्सर किंग'' युवराज सिंह, जो जयपुर से पूछ रहे थे क्रिकेट से जुड़े सवाल। उन सवालों का जवाब देकर लोगों के पास करोड़ों के प्राइजेज जीतने का मौक़ा था। इस कॉन्टेस्ट को खेलते हुए जयपुर की साक्षी कुमावत ने एक बैंड न्यू LED Smart TV जीता है।

प्रोफेसर बबीता कुमावत को मिला श्रेष्ठ रचना शिल्पी सम्मान

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमकाथाना सीकर में कार्यरत सहायक प्रोफेसर बबीता कुमावत को हिंदी साहित्य एवं लेखन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए श्रेष्ठ रचना शिल्पी सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान हिंदी भाषा डॉट कॉम मध्य प्रदेश द्वारा मातृ दिवस विशेष आयोजन **सबका संसार मां** के अंतर्गत प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर कुमावत की रचना को धर्म, संस्कृति एवं भारतीय विचारों को मातृभाषा हिंदी में प्रभावशाली अभिव्यक्ति देने के लिए चयनित किया गया।

वरिष्ठ अध्यापक रामप्रकाश ने बताया कि प्रोफेसर बबीता कुमावत का नाम हिंदी साहित्य जगत में प्रतिष्ठित कवयित्री व लेखिका के रूप में उभर चुका हैं। उन्हें हिंदी लेखन के क्षेत्र में अनेक राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। उनकी लगभग 150 कविताएं, लेख एवं शोध पत्र भारत की प्रतिष्ठित पत्र पत्रिकाओं के साथ साथ विदेशी साहित्यिक पत्रिकाओं में भी प्रकाशित हो चुके हैं। उनकी लेखनी पारिवारिक पृष्ठभूमि, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक एवं आध्यात्मिक विषयों को विशेष रूप से उजागर करती है। प्रोफेसर बबीता कुमावत द्वारा लिखित कविता संग्रह **प्रोफेसर बबिता की कविताएं** को भी साहित्य जगत में खूब सराहना प्राप्त हुई है। वर्तमान में ये रामस्नेही संप्रदाय पर शोध कार्य कर रही हैं जो भारतीय आध्यात्मिक परंपरा एवं संस्कृति के अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है।

प्रियांशी कुमावत बनी डॉक्टर

जोबनेर। जोबनेर क्षेत्र के ग्राम पंचायत जोरपुरा के माच्छरखानी गांव की होनहार बेटी प्रियांशी कुमावत ने अमेरिकन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, उदयपुर से एमबीबीएस की डिग्री हासिल कर गांव की पहली महिला डॉक्टर बनने का गौरव प्राप्त किया है।

प्रियांशी ने प्रारंभिक शिक्षा बाड़मेर, गिरसोमनाथ गुजरात तथा कोटा से कोचिंग प्राप्त की है। प्रियांशी ने इंटर्नशिप भी अमेरिकन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, उदयपुर से पूर्ण की है तथा जनरल मेडिसिन में विशेष रुचि रखती हैं। प्रियांशी के पिता प्रभुदयाल कुमावत जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

जोरपुरा ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि आनंदी लाल कुमावत ने कहा कि प्रियांशी जैसी बेटियां गांव और समाज का नाम रोशन कर रही हैं।

प्रियांशी की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। **बधाई**

मनासा के युवा ने रचा इतिहास, देश में प्रथम स्थान हासिल कर जीता गोल्ड मेडल

मनासा। जिले के मनासा क्षेत्र एक युवा **डॉक्टर गौरांग** पुत्र श्री बालकृष्ण कुमावत ने नेत्र विज्ञान में फाइनल परीक्षा में ऑल इंडिया प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश ही नहीं पूरे देश में क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नई दिल्ली स्थित नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज द्वारा आयोजित: 23वें दीक्षांत समारोह में डॉ. गौरांग को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए प्रतिष्ठित डॉ. जी वेंकटस्वामी गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा।

इस परीक्षा को चिकित्सा क्षेत्र की सबसे कठिन परीक्षाओं में गिना जाता है। जिसमें तीन वर्षों की कठोर प्रशिक्षण प्रक्रिया के बाद लगभग 700 अंकों की थ्योरी और प्रैक्टिकल परीक्षा होती है। इस परीक्षा में केवल वही अभ्यर्थी गोल्ड मेडल का पात्र बनता है। जो प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण होने के साथ-साथ सर्वाधिक अंक प्राप्त करता है। डॉ. गौरांग ने अपनी विशेषज्ञता की ट्रेनिंग तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित विश्व प्रसिद्ध अरविंद आई हॉस्पिटल से प्राप्त की। **बधाई।**

कृष्ण कुमावत मलेशिया में बने रेफरी

शाहपुरा। ग्राम तिगरिया निवाणा निवासी जयपुर के युवा खेल प्रशासक एवं अंतरराष्ट्रीय तकनीकी अधिकारी कृष्ण कुमावत को मलेशिया में आयोजित होने वाली आधिकारिक रूप से सहभागिता करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

उन्हें इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में (अंतरराष्ट्रीय रेफरी) की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो जयपुर एवं पूरे राजस्थान के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान की बात है। **बधाई**

कुमावत समाज का अपना डिजिटल प्लेटफॉर्म — रिश्तों से व्यापार तक — समाज को जोड़ने की एक नई पहल

आज के बदलते डिजिटल युग में समाज की उन्नति के लिए केवल व्यक्तिगत सफलता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज के लोगों का आपस में जुड़ना, एक-दूसरे के व्यापार को सहयोग देना, युवाओं को अवसर उपलब्ध कराना और परिवारों को सुरक्षित सामाजिक मंच प्रदान करना भी बहुत आवश्यक है। इसी सोच और समाजहित की भावना के साथ कुमावत समाज के लिए दो महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म — Kumawat Vivah और Kumawat Business Mart – KB-Mart की शुरुआत की गई है।

Kumawat Vivah कुमावत समाज के युवक-युवतियों और परिवारों के लिए एक सुरक्षित, व्यवस्थित और विश्वसनीय वैवाहिक मंच है। आज के समय में योग्य रिश्ते खोजने में परिवारों को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह प्लेटफॉर्म समाज के परिवारों को अपने ही समाज में संस्कारी, योग्य और उपयुक्त जीवनसाथी खोजने में सहायता प्रदान करता है। इसका उद्देश्य समाज में पारदर्शिता, विश्वास और सरलता के साथ वैवाहिक संबंधों को मजबूत बनाना है।

इसी प्रकार Kumawat Business Mart – KB-Mart कुमावत समाज के व्यापारियों, दुकानदारों, सेवा प्रदाताओं, प्रोफेशनल्स, उद्यमियों और युवाओं को डिजिटल पहचान देने की एक सराहनीय पहल है। इस प्लेटफॉर्म पर समाज के सदस्य अपने व्यापार, दुकान, सेवा, कोचिंग, रियल एस्टेट, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल सर्विस, कंस्ट्रक्शन, एजुकेशन, हेल्थ, फैशन, रेस्टोरेंट, होम डेकोर, इलेक्ट्रिकल, इंटीरियर, फाइनेंस, ट्रेवल और अन्य व्यवसायों को ऑनलाइन रजिस्टर कर सकते हैं।

KB-Mart का मुख्य उद्देश्य है — समाज के व्यापार को समाज से जोड़ना। जब समाज का कोई व्यक्ति किसी सेवा या प्रोडक्ट की जरूरत महसूस करे, तो वह सबसे पहले अपने समाज के व्यापारी, दुकानदार या सेवा प्रदाता से जुड़ सके। इससे समाज के अंदर व्यापारिक सहयोग बढ़ेगा, छोटे-बड़े व्यवसायों को पहचान मिलेगी और युवाओं को रोजगार तथा उद्यमिता के नए अवसर प्राप्त होंगे।

KB-Mart पर व्यापारियों को Online Business Listing, Verified Profile, Customer Inquiry, Category-wise Search, City-wise Search, Business Promotion और Digital Visibility जैसी सुविधाएँ मिलती हैं। इससे समाज के व्यवसाय ऑनलाइन दुनिया में अपनी पहचान बना सकेंगे और अधिक लोगों तक पहुँच पाएंगे। यह प्लेटफॉर्म छोटे व्यापारियों और सेवा प्रदाताओं के लिए भी बहुत उपयोगी है, क्योंकि आज के समय में डिजिटल उपस्थिति हर व्यवसाय की आवश्यकता बन चुकी है।

यह पहल केवल वेबसाइट या पोर्टल नहीं है, बल्कि कुमावत समाज को डिजिटल रूप से संगठित करने का मिशन है। जब समाज के परिवार, व्यापारी, प्रोफेशनल्स और युवा एक साझा मंच से जुड़ेंगे, तो समाज में आपसी विश्वास, सहयोग, रोजगार, व्यापारिक नेटवर्क और आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

कुमावत समाज के सभी सदस्यों से निवेदन किया गया है कि वे इस डिजिटल अभियान से जुड़ें। अपने व्यापार को KB-Mart पर रजिस्टर करें, समाज के व्यापारियों को सहयोग दें और योग्य रिश्तों के लिए Kumawat Vivah जैसे सुरक्षित मंच का उपयोग करें। समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब हम एक-दूसरे को आगे बढ़ाने का संकल्प लें।

Website: kumawatbmart.com and kumawatvivah.com

Helpline: 9799945847

दु:ख का कारण एवं निवारण का उपाय

करुणा का शाब्दिक अर्थ है "एक साथ दुख को समझने / सहने" की भावना उद्-भवित होना। शोधकर्ताओं के बीच, इसे उस भावना के रूप में परिभाषित किया जाता है जो तब उद्-भवित (Cultivate) होती है जब हम किसी दूसरे के दुख का सामना करते हैं और उस दुख को दूर करने के लिए प्रेरित महसूस करते हैं। यानि करुणा सभी प्राणियों के प्रति दया और समझ का एक असीम और निस्वार्थ भाव है जो बिना किसी उम्मीद के व्यक्त होता है।

गौतम बुद्ध वैशाख पूर्णिमा के दिन बोधगया में निरंजना नदी के तट पर बोधि वृक्ष के नीचे जब बैठे हुए थे, तब उन्हें सत्य का बोध हुआ। यह सत्य क्या था - प्राणीमात्र के दु:ख का कारण है - **राग एवं द्वेष** तथा इस दु:ख को दूर करने का उपाय- **विपश्यना, ध्यान से राग एवं द्वेष छुटकारा** पाया जा सकता है।

इस प्रकार बुद्ध को यह सत्य बोध हुआ कि प्राणिमात्र दु:खी है, जिसका कारण राग एवं द्वेष होना महसूस किया / समझा। दु:ख के निराकरण का उपाय ज्ञात होते ही बुद्ध में करुणा उद-भवित हुई जिनके कारण उनके आँखों में आंसू बह निकले।

यानि बुद्ध द्वारा किये गये तप का चरम प्राणीमात्र के लिए असीम करुणा के रूप में फलीभूत हुआ। बुद्ध को ज्ञान मिला कि जिस दु:ख का कारण प्राणी मात्र बाहर ढूंढता है , वह बाहर नहीं भीतर ही है। इसी ज्ञान को प्राणी जगत में बताने हेतु करुणा उद्-भवित हो गई।

करुणा के बाद ही हमारे जीवन में प्राणी मात्र के लिए प्रेम, परोपकार, सेवा, कृतज्ञता आदि के भाव स्वत: उद्-भवित होते रहते हैं।

-एस.आर. सिंघाटिया

रिश्ता कुमावत परिचय सम्मेलन समिति, रजिस्टर्ड पुष्कर का सामुहिक विवाह सम्पन्न

रिश्ता कुमावत परिचय सम्मेलन समिति के तत्वावधान में पुष्कर की पावन धरा पर भव्य विवाह सम्मेलन का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में 10 जोड़ों के साथ 1 तुलसी विवाह सहित कुल 11 जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराया गया जिसमें समाज के 4000 लोग उपस्थित रहे।

इस पावन अवसर पर समाज के सभी वर्गों—मातृशक्ति, युवा साथियों एवं समाजबंधुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा नवविवाहित वर-वधू को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री आदरणीय श्री भागीरथ चौधरी के करकमलों द्वारा हुआ। इस अवसर पर समाज हित में हमारे संरक्षक डॉ. जयनारायण जूनवाल द्वारा पुष्कर में कुमावत समाज हेतु भूमि आवंटन की मांग रखी गई इस पर माननीय सांसद महोदय ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि नियमानुसार प्रस्ताव प्रस्तुत करने पर समाज को भूमि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

साथ ही जल संशाधन विभाग केबिनेट मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत ने भी समाज के मंच से आश्वासन देते हुये, नियम का हवाले देते हुये जमीन दिलवाने की घोषणा की।

इसी क्रम में एक सराहनीय पहल करते हुए डॉ. जयनारायण जूनवाल ने रिश्ता कुमावत परिचय सम्मेलन समिति की तरफ़ से यह घोषणा की गई कि समिति एक आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली बालक जो कक्षा 12वीं के छात्र-छात्रा में से एक को गोद लेकर उसकी शिक्षा का सम्पूर्ण खर्च वहन करेगी, जब तक वह आईपीएस/आईएएस जैसे उच्च पद तक नहीं पहुँच जाता यह निर्णय समाज शिक्षा के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

कार्यक्रम की भव्यता और विशालता को देखते हुए दूर-दराज से आए समाजबंधु अत्यंत प्रभावित हुए और कई गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सराहना की गई। इसी दौरान मंच से एक सज्जन द्वारा आगामी विवाह सम्मेलन हेतु रु. 51,000/- के सहयोग की घोषणा भी की गई।

यह समस्त आयोजन समाज की एकता, सहयोग और सेवा भावना का प्रतीक रहा। हमारी समिति की ओर से सभी समाजबंधुओं, मातृशक्ति, युवा साथियों एवं विशेष रूप से हमारे भामाशाहों का हृदय से आभार, साधुवाद एवं धन्यवाद, जिन्होंने तन-मन-धन से सहयोग देकर इस कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाया।

- प्रभुदयाल कुमावत

कुमावत गौरव... पृष्ठ 5 से..... सुरेन्द्र नागा...

तथा संस्थापक ट्रस्टी रहे हैं। इनके नेतृत्व में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका चंद वर्षों में ही हर क्षेत्र में गुणवत्ता से अपनी पहचान साबित की है। श्री सुरेन्द्र नागा दो और ट्रस्टों से जुड़े हुए हैं जिनमें श्री बी.एल. नागा जनकल्याण चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं जो गरीब बच्चों को पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति व अन्य सुविधाएं देता है तथा श्री लालचंद गहलोत चेरिटेबल ट्रसट के ये सचिव हैं, यह ट्रस्ट गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए फीस की सहायता देता है।

श्री सुरेन्द्र नागा ने गोविन्दाचार्य-I एवं गोविन्दाचार्य-II दो पुस्तकें लिखी हैं जो भजनावली हैं, जिन्हें बहुत पंसद किया गया है।

श्री सुरेन्द्र नागा सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) के संस्थापकों में से एक हैं तथा सर्वाधिकार समिति के संरक्षक आदि पदों पर रहकर समाजसेवा से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। 87 वर्षीय श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा) ने वरिष्ठ समाज सेवी के रूप में अपना अमूल्य समय एवं धन देकर वह काम किया जो विरले ही लोग करते हैं। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार इनकी प्रशंसा करते हुए इनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घ आयु की कामना करता है। इनके जीवन से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए कि विषम परिस्थितियों में भी समाज के लिए कुछ योगदान देते हुए हम हमारे समाज को आगे बढ़ायें।

महंत श्री परशुराम स्वामी...

कबीर भवन, मोती डूंगरी, जयपुर को तत्कालीन जयपुर महाराजा ने 2 बीघा 9 बिस्सा भूमि संत श्री गोकुल दास जी सिरोहिया (नाडी विशेषज्ञ एवं योग शिक्षक) द्वारा उनकी पटरानी के असाध्य रोग ठीक करने की एवज में खुश होकर आवंटित की थी। इस कबीर पीठ एवं आश्रम के महंत क्रमश: श्री विजय रामदास जी, श्री भजनदास जी, श्री गोकुलदास जी सिरोहिया, श्री रघुनाथ दास जी जलान्धरा तथा श्री पी.आर. स्वामी जी रहे हैं। **ज्ञातव्य रहे कि ये सभी महंत 'कुमावत' जाति के ही रहे हैं जो हमारे लिए गौरव की बात है।** प्रारम्भ से ही इस आश्रम में सायं भजन सुनने 70-80 कारीगर आते रहे तथा कुछ घण्टे रोजाना इस भूमि पर नि:शुल्क भवन निर्माण करते रहे हैं।

महंत श्री पी.आर. स्वामी जी के लगभग 150 शिष्य व सैकड़ों अनुयायी हैं जो यहां आते रहते हैं। कबीर जयंति तथा गुरु पूर्णिमा पर यहां विशेष आयोजन होते हैं जिनमें सामुहिक 'बीजक' पाठ, हवन, भजन संध्या, आरती तथा पंगत प्रसादी होती है। इसमें लगभग 700-800 लोग भोजन करते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार महंत श्री परशुराम स्वामी के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घआयु की कामना करता है।

श्री हनुमान चालीसा प्रबंध समिति की पहल; 50 हजार कॉपियां बांटीं

तीन साल में 11 हजार बच्चों को शिक्षण सामग्री व 2.5 लाख बोतल-टिफिन बांटे

जयपुर। सेवा, समर्पण और संस्कारों का संगम यदि कहीं देखना हो, तो वह श्री हनुमान चालीसा प्रबंध समिति के प्रकल्पों में जीवंत दिखाई देता है। श्री भन्दे बालाजी महाराज की कृपा से समिति ने पिछले 3 वर्षों में 11 हजार से अधिक जरूरतमंद बच्चों तक शिक्षण सामग्री पहुंचाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का अभूतपूर्व कार्य किया है। इसी सेवा संकल्प की अगली कड़ी में समिति के संस्थापक संत अमरनाथ महाराज के सानिध्य में भांकरोटा स्थित 'आई इंडिया' की ओर से संचालित प्रेम पाठशाला के बीपीएल और अनाथ बच्चों को स्कूल बैग और स्टेशनरी वितरित की गई।

शिक्षा के साथ 'संस्कारों का बीजारोपण

समिति का अभियान केवल कलम और किताबों तक सीमित नहीं है। समिति की ओर से स्कूलों में अर्थ सहित सामूहिक हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन भी किया जा रहा है। उद्देश्य; बच्चों को अपनी जड़ों और संस्कृति से जोड़ना।

प्रभाव: विद्यार्थियों में केवल धार्मिक जागरूकता ही नहीं, एकाग्रता, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास बढ़ रहा है। इनकी भागीदारी; आयोजन के अवसर पर उमेश शर्मा, रामस्वरूप यादव, रामावतार पालीवाल, योगेन्द्र निखरा, रवीन्द्र खंगारोत, अशोक शर्मा, राजेश विजयवर्गीय, महेश बम्ब और पंकज शर्मा ने शिरकत की।

एक नजर में उपलब्धियां : 2023 से अब तक 3 वर्ष में लाभार्थी : 11,000 से अधिक जरूरतमंद एवं अनाथ बच्चों को 50000 से अधिक कॉपियां, 2,50,000 से अधिक पेन, पेंसिल तथा पानी की बोतलें व टिफिन वितरीत किए गए है।

विशेष अभियान: स्कूलों में अर्थ सहित सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ।

संस्था का लक्ष्य शिक्षित और संस्कारवान पीढ़ी तैयार करना है। जब बच्चा हनुमान चालीसा के अर्थ को समझता है, तो उसे जीवन के संघर्षों से लड़ने की शक्ति मिलती है।

– **संत अमरनाथ महाराज,** संस्थापक

साधारण जीव के मन में भी आशा जगाते हैं कबीर : ओशो

कबीर अनूठे हैं। प्रत्येक के लिए उनके द्वारा आशा का द्वार खुलता है। कबीर से ज्यादा साधारण आदमी खोजना कठिन है। और अगर कबीर ईश्वर तक पहुंच सकते हैं तो सभी पहुंच सकते हैं। निपट गंवार हैं इसलिए गंवार के लिए भी आशा हैं। कबीर जीवनभर गृहस्थ रहे। कर्म से जुलाहे रहे। बुनते रहे कपड़े और बेचते रहे। घर छोड़ कर हिमालय नहीं गए और परमात्मा को पा गए। घर पर भी परमात्मा आ सकता है, इसके लिए हिमालय जाना आवश्यक नहीं। कबीर ने कुछ भी नहीं छोड़ा और सभी कुछ पा लिया। इसलिए छोड़ना पाने की शर्त नहीं हो सकती।

कबीर के जीवन में कोई भी विशिष्टता नहीं है। इसलिए विशिष्टता अहंकार का आभूषण होती है; आत्मा का सौंदर्य नहीं।

कबीर न धनी हैं, न ज्ञानी हैं, न समादृत हैं, न शिक्षित हैं, न सुसंस्कृत हैं। कबीर जैसा व्यक्ति अगर परमज्ञान को उपलब्ध हो गया, तो तुम्हें भी निराश होने की कोई भी जरूरत नहीं। इसलिए कबीर में बड़ी आशा है।

कबीर गरीब हैं, और यह सत्य जान गए कि धन व्यर्थ है। कबीर के पास एक साधारण-सी पत्नी है, और जान गए कि सब राग-रंग, सब वैभव-विलास, सब सौंदर्य मन की ही कल्पना है।

कबीर ने कहा, जब परमात्मा इतना बड़ा ताना-बाना बुनता है संसार का और लज्जित नहीं होता, तो मैं गरीब छोटा-सा जुलाहे का काम करके क्यों लज्जित होऊं? परमात्मा जरा बड़ा जुलाहा, मैं थोड़ा छोटा जुलाहा। और जब वह छोड़ के नहीं भागा, तो मैं क्यों भागूं? मैंने उस पर ही छोड़ दिया है, जो उसकी मरजी। अभी उसका आदेश नहीं मिला कि बंद कर दो।

वे जीवन के अंत तक, बूढ़े हो गए तो भी कपड़े बेचने बाजार जाते रहे। लेकिन उनके बेचने में बड़ा भेद था, साधुता थी। कपड़ा बुनते थे, तो वे बुनते वक्त राम की धुन करते रहते। इधर से ताना, उधर से बाना डालते, तो राम की धुन करते। और कबीर जैसे व्यक्ति जब कपड़े के ताने-बाने में राम की धुन करें, तो उस कपड़े का स्वरूप ही बदल जाता है। इसलिए कबीर कहते हैं, **झीनी-झीनी बीनी चदरिया**! और कहते हैं, बड़ी लगन से और बड़े प्रेम से बीनी है। और जब जाते बाजार में, तो ग्राहकों से वे कहते कि राम, तुम्हारे लिए ही बुनी है, और बहुत संभाल के बुनी है। उन्होंने कभी किसी ग्राहक को राम के सिवा और दूसरा कोई संबोधन नहीं किया। ये ग्राहक राम हैं। यह इसी राम के लिए बुनी है। ये ग्राहक, ग्राहक नहीं हैं और कबीर कोई व्यवसायी नहीं हैं।

कबीर व्यवसाय करते रहे और सादे हो गए। उन्होंने सादगी को अलग से नहीं साधा। अलग से साधोगे तो जटिल हो जाएगी। सादगी साधी नहीं जा सकती। समझ सादगी बन जाती है। बन जाती है।

'भारत के महान वैज्ञानिक' 99 वीं 'ईबुक' का हुआ विमोचन

12 जून 2026 को सेवा निवृत्त डिप्टी कमीशनर श्री रमेश चंद गैदर एवं श्रीमती अमिता गैदर के कर कमलों द्वारा 'भारत के महान वैज्ञानिक: जीवन, संघर्ष, खोज और आविष्कार की प्रेरक गाथाएँ', ईबुक का विमोचन पत्रिका गेट जवाहर सर्किल जयपुर पर किया गया। इस अवसर पर श्री गुलाब चंद जी खोराणियाँ (रि. इंजीनियरिंग सुपरवाईजर होटल जयमहल पैलेस), श्री ओमप्रकाश जी कुण्डवाल तथा कैमरामैन श्री शिवरतन जी कुमावत जयपुर उपस्थित थे।

लेखक निर्माता निर्देशक - चिरँजी कुमावत की यह 99 वीं ईबुक है। इसी ईबुक से विश्व को शून्य, दशमलव, खगोल विज्ञान, धातुकर्म, आयुर्वेद और गणित की अमूल्य धरोहर देने वाला भारत आज भी वैज्ञानिक प्रतिभाओं की जन्मभूमि बना हुआ है। प्राचीन ऋषियों की ज्ञान परंपरा से लेकर आधुनिक प्रयोगशालाओं और अंतरिक्ष अभियानों तक, भारतीय वैज्ञानिकों ने अपनी प्रतिभा, समर्पण और अथक परिश्रम से विश्व मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया है।

'भारत के महान वैज्ञानिक: जीवन, संघर्ष, खोज और आविष्कार की प्रेरक गाथाएँ' केवल एक ईबुक ही नहीं है, बल्कि उन महान मनीषियों को समर्पित श्रद्धांजलि है जिन्होंने अपने विचारों, अनुसंधानों और आविष्कारों के माध्यम से मानवता के भविष्य को नई दिशा दी। यह ईबुक उन वैज्ञानिकों की संघर्षपूर्ण यात्राओं का दस्तावेज़ है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और अपने सपनों को उपलब्धियों में परिवर्तित कर दिखाया।

-लेखक, निर्माता, निर्देशक चिरँजी कुमावत

8619666046

'कुटुम्ब कबीलो' फिल्म के फर्स्ट पोस्टर का विमोचन

12 जून 2026 को लेखक निर्माता निर्देशक - चिरँजी कुमावत की, कुमावत फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनने वाली नयी पारिवारिक राजस्थानी फिल्म 'कुटुम्ब कबीलो' के फर्स्ट पोस्टर का विमोचन, श्री रमेश चन्द्र गैदर (से. नि. डिप्टी कमीशनर राजस्थान GST), श्री गुलाब चन्द खोराणियाँ (से. नि.-इंजीनियरिंग सुपरवाइजर होटल जयमहल पैलेस), श्री ओमप्रकाश कुण्डलवाल, तथा श्री शिवरतन कुमावत, कैमरामैन, जयपुर के कर कमलों द्वारा, पत्रिका गेट,जवाहर सर्किल' जयपुर पर किया गया ।

-लेखक निर्माता निर्देशक - चिरँजी कुमावत,

फूलचंद कुमावत ने IIT जोधपुर से M.Tech. किया

ग्राम मंढा भीम सिंह, तहसील रेनवाल, वाया जोबनेर निवासी फूलचंद कुमावत पुत्र श्री श्रवणलाल कुमावत ने देश के प्रतिष्ठित संस्थान Indian Institute of Technology Jodhpur से इंटेलिजेंट VLSI सिस्टम्स में एम.टेक. की डिग्री 8.52 सीजीपीए के साथ सफलतापूर्वक पूर्ण की है। फूलचंद कुमावत वर्तमान में IIT जोधपुर में जूनियर टेक्निकल सुपरिटेंडेंट (Junior Technical Superintendent) के पद पर कार्यरत हैं। नौकरी के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करते हुए उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है, जो युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है।

उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं को उच्च शिक्षा एवं तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

खाटूश्यामजी में करण कुमावत पर जानलेवा हमला

26 मई को खाटूश्यामजी में करण कुमावत के साथ हुई मारपीट की घटना अत्यंत दुखद एवं निंदनीय है। भाजपा नेता गजानंद कुमावत ने सीकर के एस.के. अस्पताल पहुंचकर पीड़ित करण की कुशलक्षेम जानी तथा चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

मामले में हमलावरों की गिरफ्तारी के संबंध में सीकर पुलिस अधीक्षक से बात कर अपडेट लिया तथा निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की। साथ ही, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो, इसके लिए भी सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उनके साथ समाज के विवाह समिति के अध्यक्ष श्री राधेश्याम काम्या, कुमावत छात्रावास ट्रस्ट के मंत्री नितेश पारमुवाल, सीताराम भोड़ीवाल सहित अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

इस मामले में सीकर के जिला कलेक्टर आशीष मोदी से मिल कर समाज के गणमान्य लोगों ने हमलावरों के खिलाफ शीघ्र कार्यवाई की मांग की। हमलावरों की गिरफ्तारी फिर भी नहीं होने के कारण थाने का घेराव एवं आन्दोलन करने को समाज मजबूर हुआ है।

उर्वशी बालोदिया को "साहित्य रत्न सम्मान"

7 मई, जयपुर। संस्था एक प्रयास (भारत) की राजस्थान शाखा के राष्ट्रीय अधिवेशन एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का जयपुर में आयोजन हुआ। इस सम्मेलन में देशभर से आये साहित्यकारों, कवियों और रचनाकारों ने अपनी अभिव्यक्ति से साहित्यक वातावरण बना दिया। यह संस्था साहित्य, संस्कृति एवं राष्ट्रचेतना को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रयास करती है।

सम्मेलन में उर्वशी बालोदिया को काव्य पाठ एवं हिन्दी साहित्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए **'साहित्य रत्न'** सम्मान से अलंकृत किया गया। इनकी कविताओं में जहां भारतीय संस्कृति की सुगंध है वहीं युवाओं में आत्मविश्वास जागृत करने का प्रयास है। इन्होंने परिपक्वता के साथ समाज में नारी सम्मान के संरक्षण और प्राणी जगत के लिए आत्मियता को जागृत करने का कार्य अपनी लेखनी के माध्यम से किया है। इनके लेख **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका में नियमित रूप से प्रकाशित होते रहे हैं।

उर्वशी बालोदिया को 'साहित्य रत्न' सम्मान मिलने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

नर्सिंग ऑफिसर ज्ञान प्रकाश को स्टेट लेबल एक्सीलेंस अवार्ड

सवाई मानसिंह अस्पताल के मेडिकल आईसीयू के इंचार्ज, सेवाभावी नर्सिंग ऑफिसर, ज्ञान प्रकाश कुमावत को हाल ही में अन्तरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस पर स्टेट लेबल एक्सीलेंस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दी ट्रेंण्ड नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (टीएनएआई) राजस्थान चैप्टर की ओर से आयोजित भव्य समारोह में सम्माननीय अतिथिगण: राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष विधानसभा राजेन्द्र राठोड, मेजर आलोक राज, डॉ. गिरिराज प्रसाद सोनी, डॉ. मीनाक्षी व्यास और डॉ. विकास स्वर्णकार की उपस्थिति में कुमावत को यह सम्मान दिया गया। गौरतलब है कि ज्ञान प्रकाश कुमावत को इससे पहले भी राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय और संस्थानगत स्तर पर अनेकों पुरस्कारों से नबाजा गया है। कुमावत समय से पहले अस्पताल पहुंचना, इन्चार्ज होने के बावजूद आईसीयू में भर्ती हर मरीज की पर्सनल केयर करना और दिन का पूरा कार्य कर दोपहर 2 बजे के स्थान पर सायं 4-5 बजे बाद अस्पताल छोडना उनकी रोजमर्रा की आदत में शामिल है। **बधाई**

डॉ. अंजू को ऑनरेरी एक्सीलेंस अवार्ड

डॉ. अंजू कुमावत को कला, साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर "ऑनरेरी एक्सीलेंस अवॉर्ड 2026" तथा "एएचएचसी मानद डॉक्टरेट अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस" से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान यूनिवर्सल ऑनरेरी अवॉर्ड काउंसिल द्वारा 24 मई 2026 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया। डॉ. अंजू कुमावत को यह सम्मान समाजहित में किए गए रचनात्मक कार्यों, साहित्यिक योगदान, सांस्कृतिक चेतना के प्रसार तथा सकारात्मक सामाजिक सोच के लिए प्रदान किया गया। उनके समर्पण, दूरदर्शी नेतृत्व एवं निरंतर सृजनात्मक प्रयासों को राष्ट्रीय मंच पर विशेष रूप से सराहा गया। अंजू कुमावत को उनकी कला प्रतिभा एवं रचनात्मक योगदान के लिए "इंडियन टैलेंट आइकॉन अवार्ड" से भी सम्मानित किया जा चुका है।

मोदी को सर्वोच्च सम्मान

पीएम मोदी को स्वीडन के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार (डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस) तथा इन्हें स्लोवाकिया का सर्वोच्च सम्मान "द ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रोस" से भी सम्मानित किया गया। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी को अब तक दुनिया के विभिन्न देशों और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से कुल 33 वैश्विक सम्मान मिल चुके हैं।

सरोज कुमावत ने अमेरिका के संस्थान से मास्टर डिग्री की

राजसमंद जिले के बामनिया कला गांव की होनहार बेटी, सुश्री सरोज कुमावत ने अमेरिका के प्रतिष्ठित **इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (शिकागो)** से उच्च शिक्षा प्राप्त कर पूरे देश और कुमावत समाज का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने हाल ही में विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त इस संस्थान से मास्टर इन इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (ITM) की डिग्री सफलतापूर्वक हासिल की है। कुमावत ने बी.टेक. गुजरात विश्वविद्यालय से किया है।

मेवाड़ कुमावत समाज के अध्यक्ष शंकर लाल मेरावंडिया (कुमावत) की सुपुत्री सरोज की यह उपलब्धि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की एक जीवंत मिसाल है। विदेश की धरती पर अपनी कड़ी मेहनत, प्रतिभा और संस्कारों का परचम लहराते हुए सरोज ने यह साबित कर दिया है कि यदि बेटियों को समान अवसर और उचित समर्थन मिले, तो वे वैश्विक पटल पर किसी भी मुकाम को हासिल कर नया इतिहास रच सकती हैं। बहुत-बहुत बधाई।

आशुतोष कुमावत को पीएचडी की उपाधि

श्रीमाधोपुर। शहर के आशुतोष कुमावत पुत्र राजेंद्र प्रसाद कुमावत को सीडरबूक यूनिवर्सिटी अमेरिका द्वारा दिल्ली में आयोजित दीक्षांत समारोह में **स्पोर्टस एंड फिजिकल एजुकेशन के विषय** में डॉ. पीएचडी ऑफ फिलॉसफी की उपाधि प्रदान की आशुतोष शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र डॉ. श्याम नारायण त्रिपाठी व डॉ. सुनील यादव के सानिध्य में बैचलर ऑफ़ फिजिकल एजुकेशन व मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन करते हुई शारीरिक रचना क्रिया विज्ञान, शारीरिक शिक्षा फिटनेस सुस्वास्थ्य, खेल पोषण भार प्रबन्धन, खेल मनोविज्ञान खेल मापन आदि विषय में शोध व लगातार रिसर्च कर रहे है। स्पोर्टस खेल के क्षेत्र में आशुतोष कुमावत राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नेतृत्व करते हुए अनेक पदक प्राप्त किए है व राष्ट्रपति अवार्ड व राज्यपाल अवार्ड पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके हैं। **बहुत-बहुत बधाई**

भीलवाड़ा की जमना कुमावत बनीं अव्वल, 32 लाख कमाए

जयपुर। राजस्थान के दुग्ध उत्पादक किसानों की संस्था पायस एमपीओ का 14वां स्थापना दिवस आरआईसी प्रेक्षागृह में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एनडीडीबी डेरी सर्विसेज के डॉ. सौगता मित्रा और विशिष्ट अतिथि डॉ. रघु मल्लेगौडा व अल्का चौधरी उपस्थित रहे। संस्था के चेयरमैन जगदीश प्रसाद इनानिया ने स्वागत करते हुए कहा कि पारदर्शिता और किसान सहभागिता ही पायस की असली ताकत है। वर्ष 2025-26 में डेयरी क्षेत्र से सर्वाधिक 32 लाख रुपए की आय अर्जित करने वाली भीलवाड़ा (आसींद) की महिला दुग्ध उत्पादक **जमना कुमावत** को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मुख्य कार्यकारी डॉ. मनवीर सिंह ने बताया कि ये डेयरी के साथ संस्था बायोगैस, पशु स्वास्थ्य और कृषि उपज विपणन में भी सराहनीय कार्य कर रही है।

चेतन कुमावत भाजपा ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

समाजसेवा, संगठन शक्ति और ओबीसी समाज के सम्मान की बुलंद आवाज चेतन कुमावत को भाजपा ओबीसी मोर्चा, राजस्थान में प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

भामाशाह के रूप में आपकी उदार सोच, कार्यकर्ताओं के प्रति आत्मीयता, समाज के प्रति समर्पण और हर जरूरतमंद के साथ खड़े रहने का आपका स्वभाव आपको एक विशेष पहचान प्रदान करता है। आपने सदैव ओबीसी वर्ग के अधिकारों, मान-सम्मान और सामाजिक भागीदारी को मजबूत करने के लिए संघर्ष और सेवा का मार्ग चुना है। आपकी यह नियुक्ति केवल एक पद प्राप्ति नहीं, बल्कि वर्षों की निष्ठा, अथक परिश्रम, जनसेवा और संगठन के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता का गौरवपूर्ण परिणाम है। आप जैसे कर्मयोगी नेतृत्व पर सम्पूर्ण ओबीसी समाज को गर्व है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई देते है।

पवन ने जीता गोल्ड/ केन्द्रीय खेल मंत्री ने सम्मानित किया

जयपुर के **पवन कुमावत** ने भीलवाड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 76 किलो भार वर्ग इन्कलाई बेन्च पर्स में 110 किलो वजन उठाकर गोल्ड मेडल जीता। इस उपलब्धि के बाद पवन का चयन 19 से 21 जून तक छत्तीसगढ़ में होने वाली वेस्ट जोन प्रतियोगिता के लिए किया गया है। पवन इससे पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं। पवन को इस उपलब्धि पर संघ सचिव चंद्रेश सोनी ने सम्मानित किया।

पवन कुमावत को केंद्रीय खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने दी बधाई

जयपुर के पवन कुमावत ने हाल ही में वर्ल्ड चैम्पियनशिप थाईलैंड में स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग प्रतियोगिता में ब्रोन्च मेडल जीतने व देश के लिए अब तक 9 गोल्ड मेडल 2 सिल्वर मेडल 2 ब्रोन्च मेडल जितने पर केंद्रीय मंत्री खेल डॉ मनसुख मांडविया ने दिल्ली के खेल मंत्रालय में मेडल पहनाकर बधाई दी। पवन कुमावत बहरीन थाईलैंड श्री लंका नागपुर किर्गिस्तान हैदराबाद कजाकिस्तान में पदक जित कर देश का नाम रोशन कर चुके है। **बहुत-बहुत बधाई**

पीएचडी की उपाधि मिलने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

कृतिका कुमावत पुत्री श्री शशि कुमार खड़गटा को आर.ए. पोदार इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर की ओर से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। इन्हें ये उपाधि 'कस्टमर परसेप्शन, सैटिस्फैक्शन एंड लॉयल्टी टुवर्ड्स ऑनलाइन फूड डिलीवरी एग्रीगेटर्स' विषय पर शोध के लिए दी गई है। इन्होंने यह शोध कार्य सेवानिवृत्त प्रोफेसर हर्ष द्विवेदी के निर्देशन में पूरा किया है।

नेहा कुमावत को पीएचडी की उपाधि

भुपाल नोबल्स ने विश्वविद्यालय नेहा कुमावत को राजनीति विज्ञान विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। **नेहा ने नगरीय स्थानीय शासन एवं मतदान व्यवहार (नगर निगम उदयपुर क्षेत्र के विशेष संदर्भ में) विषय पर शोध कार्य पूरा किया।** यह उपलब्धि उनकी अथक मेहनत, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रतीक है।

कामाक्षी नागा को जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी की ओर से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। इन्हें ये उपाधि **'इंडियन बेयरिंग इंडस्ट्री में एचआर नीतियों का कर्मचारी संतुष्टि पर प्रभाव' विषय पर शोध कार्य के लिए दी गई है। इन्होंने अपना शोध कार्य डॉ. नुपुर सी. शर्मा के निर्देशन में पूरा किया है।**

प्रिया कुमावत, पुत्री श्री जगदीश कुमावत(साड़ीवाल) (कुमावत समाज सकरामपुरा धौलीबावड़ी संस्थान के उपाध्यक्ष) ने कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में पीएचडी की है। प्रिया को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बहुत-बहुत बधाई।

श्रीमती शीतल कुमावत पत्नी श्री मनोज बातरा का स्कूल व्याख्याता वाणिज्य के पद पर चयन पर बधाई।

प. बंगाल में 9 मई 2026 को **बीजेपी** के **शुभेन्दु अधिकारी** मंत्रीमंडल द्वारा शपथग्रहण। टीएमसी के 15 साल के शासन के बाद प्रचण्ड स्तर पर जीत पर बहुत-बहुत बधाई।

अग्निवीर खेमाराम कुमावत

ग्राम पांचोता, भारती वायु सेना में राष्ट्र की रक्षा करते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूत की शहादत पर कोटि-कोटि नमन।

तुषार कुमार
यूनाइटेड किंगडम में भारतीय मूल के मेयर बने

अशोक कुमावत
भारतीय वायुसेना में चयन पर बधाई

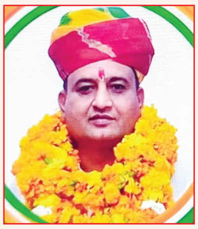

श्रवण कुमार कुमावत
सिरोही जिला ओबीसी कांग्रेस प्रकोष्ठ सह-प्रभारी नियुक्त

अनुकृति कुमावत
95.17%
RBSC Xth

प्रियांशी कुमावत
91.60%
RBSC Xth

आर्यन कुमावत
96.60%
CBSE XIIth

कांग्रेस शिक्षक प्रकोष्ठ के पदाधिकारी बनने पर बधाई।

विनोद कुमावत
प्रदेश उपाध्यक्ष
उदयपुर

मुकेश कुमावत
प्रदेश महासचिव
जयपुर

रमेश कुमावत
प्रदेश सचिव
बाड़मेर

गोपाल कुमावत
प्रदेश संयुक्त सचिव
चित्तौड़गढ़

श्रद्धांजलि

स्व. 20.06.2014

12वीं पुण्यतिथि
28.06.2026

स्व. डॉ. देवीलाल वर्मा (हान्या)

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजति अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
धर्मपत्नी : श्रीमती श्यामा देवी - 99295 88490
पुत्र - पुत्रवधु : डॉ. भूपेश डी. वर्मा (व्याख्याता राज. महाविद्यालय, शिवगंज) 9829014178 - सुनीता वर्मा
धीरज वर्मा (पुलिस निरीक्षक, राजस्थान पुलिस) 9929442200 - मंजू वर्मा
डॉ. नीलकमल वर्मा 9672982592 (जैनपेक्ट, जयपुर) - निशा वर्मा
पुत्री - दामाद : दीपा - सुरेन्द्र कुमावत (प्रशासनिक अधिकरी, एल.आई.सी)
भतीजे : ओमप्रकाश, मनीष, विजय कुमार, गजेन्द्र
पौत्रियाँ : ड्रीमियाँ, कोनिया, निकिता, गर्विता, दीपिता
पौत्र : लोवेश, दोहित्री : जूही

निवास : 72, एस.बी. विहार, गली नं. 5, महिमा अपार्टमेंट्स के पास,
न्यू सांगानेर रोड़, जयपुर - 302 019

18वीं पुण्यतिथि

23 जून, 2026

स्व. श्री देवीलाल जी बालोदिया

हम सब परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं
स्व. श्रीमती बसंती देवी (धर्मपत्नी) • स्व. श्री डॉ. मदन बालोदिया (भ्राता)
स्व. श्री विनोद-शशिकला, चेतन-अंजली,
चन्द्रप्रकाश-कांता, दिनेश-भावना (पुत्र एवं पुत्रवधु)
सुनील-रेणु, रवि-रिम्पल, पराग-मिन्ना, रोनित (पौत्र एवं पौत्रवधु)
विशाखा, चंचल व जया (पौत्री)
अंशुल, आशना, आरव, आर्यश (प्रपौत्र एवं प्रपौत्री)
राजबाला-श्री नारायण कारगवाल, ब्यावर (पुत्री-दामाद)
टिंकल- श्री कमल अनावड़िया • निकिता-श्री विजय मारवाल
सोनिया - श्री नरेश मार वाल• प्रियंका - श्री भूपेश खूंखवाल (पौत्री-दामाद)

Raj Blocks Since-1977 OFFSET PRINTERS
A COMPLETE PRINTING SOLUTION
• Books • Magazine • Brochures • Catalogue • Flex, Vinayle • Envelops • Letter Head • Event Tickets • Certificates • Invitation Card • Menu Card • Poster • Calender • Packazing Box • UV & Leaf with Special Effects
B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area, 22 Godown, Jaipur
Ph.: 0141-4022538 Mob: 94140527369928910068

श्रद्धांजलि

16वीं पुण्यतिथि
26 अप्रैल, 2026

स्व. श्री नेकचंद जी मण्ड़ावरा

सुपुत्र स्व. श्री किस्तुरचंद जी मणडावरा
स्वर्गवास : 26 अप्रैल, 2010

हम सब परिवारजन सजल नयनों से सहज श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं। आपका स्नेह, ईश्वर भक्ति, सद् व्यवहार, सेवा भाव एवं एक प्रेरणा दायक जीवन सदैव मार्ग-दर्शन करता रहेगा।

श्रद्धावनत

धर्मपत्नी : प्रकाश देवी, **ज्येष्ठ पुत्र-पुत्रवधु:** भवानी सिंह, से.नि. सहा. प्रशासनिक अधिकारी-सुनीता, **पुत्री-दामाद:** भारती-अशोक जी तोंदवाल, **पुत्र-पुत्रवधु:** चंद्रकांत-दीपाली, हितेन्द्र-पायल, जितेन्द्र-रंजना, **ज्येष्ठ पौत्र-पौत्रवधु:** चर्चिल सिंह-प्रीति, **ज्येष्ठ पौत्री-दामाद:** प्रांजुल-निखिल जी मारोठिया, **पौत्र:** हिमांशु, शिवम्, नेहुल, आयुष, **पौत्री :** गरिमा, हर्षिता, **पडदोहित्री:** गौरांगी एवं समस्त दाढ़ावाले मण्डावरा परिवार।

524, नमक की मण्डी, किशनपोल बाजार, जयपुर मो. 9829188822
नेक-प्रकाश सदन, विला-17, शुभारम्भ सोसाइटी, सिरसी रोड, जयपुर

धर्म और महाभारत

मेरा कर्तव्य ही मेरा धर्म है और यह वह धर्म है जो सब प्राणियों में समभाव की भावना का पोषक है। इसीलिए इसे सर्वधर्म मानकर उच्च स्थान दिया जाता है। यह धर्म ही है जो पूरे संसार में अविश्वास और भय को दूर करता है। वेद, पुराण, उपनिषद, रामायण आदि ग्रन्थों को उच्च से भी उच्चतम मानक इनसे सत्य, अहिंसा, त्याग, सेवा, धैर्य आदि की शिक्षा की ध्वजा भी यही धर्म फहराता है। हमारा भारत संसार में धर्म की दृष्टि से सर्वोच्च स्थान रखता है। सब धर्मों की आदर के साथ उनके लिए अपनी भावना प्रगट करता है। **भारत में अनेकों धर्मों, अनेकों भाषाओं, अनेकों विचारों को मानने वाले लोग रहते हैं फिर भी उनमें एकता व समरसता का ऐसा सूत्र है जो और कहीं देखने को नहीं मिलता। इसलिए इसे सनातन धर्म की ध्वजा फहराने का सौभाग्य सभी मानते हैं तथा इसी से भारत के लोगों और भारतीय की पहचान है।** 'रामायण' ऐसा गन्थ है जो धर्म के साथ मर्यादाओं की पहचान कराता है। इसलिए 'राम' को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। कृष्ण की शिक्षा कर्तव्य परायणता की है, धर्म-अधर्म के भेद की है। धर्म-अधर्म की शिक्षा व सच्चाई से ही धर्म न मानने वालों के विरुद्ध महाभारत हुआ था। जीत हमेशा सत्य व धर्म की ही हुई है और महाभारत में जीत सत्य व धर्म की ही हुई थी जिसके सूत्रधार स्वयं श्री कृष्ण थे। भीष्म पितामह सत्य को जानते हुए भी अपने वचन से बंधे होने के कारण कौरवों के साथ रहे थे और उनकी तरफ से ही युद्ध में लड़े थे। पाण्डू के पुत्रों को कभी नुकसान नहीं पहुंचाने की वजह से वे महाभारत में पाण्डवों को न मारकर उनकी सेना को ही मार रहे थे। दुर्योधन ने जब यह देखा तो वह भीष्म पितामह के पास आकर बोला, आप युद्ध तो कौरवों की तरफ से कर रहे हैं लेकिन पाँचों पाण्डवों को नहीं मा रहे। यह हस्तिनापुर व कौरवों के प्रति विश्वासघात है। पितामह ने कहा तू रात को मेरे पास अपनी पत्नी को भेजना, मैं उसे अखण्ड सौभाग्यवती का वर दूंगा तथा साथ में विजयीभव: का भी वचन दुंगा। दुर्योधन खुश होकर वापिस अपने शिविर में आ गया। यह बात कृष्ण को मालूम हो गई सो उन्होंने द्रोपदी को आधी रात से कुछ पूर्व ही भीष्म पितामह के पास भेज दिया और समझा दिया-क्या करना है। भीष्म अपने ध्यान में लगे हुए थे। द्रोपदी ने अपना मस्तक भीष्म के चरणों में झुका दिया। जब भीष्म ने देखा एक सुहागन नारी चरणों में शीश झुका रही है तो सोचा यह दुर्योधन की पत्नी है (जिसे मैंने बुलाया था) उन्होंने आशीर्वाद दिया सौभाग्यवती भव, पुत्रवती भव:। यह सुनकर द्रोपदी (पांचाली) बोल पड़ी क्या आप यह सत्य कह रहे हैं क्या मेरे पतियों में से एक भी नहीं माना जाएगा, मैं सौभाग्यवती ही रहूंगी ? भीष्म ने जब यह सुना और देखा यह तो पांचाली (द्रोपदी) है, दुर्योधन की पत्नी नहीं है तो वे घबराकर उठ बैठे और कहा मेरा वचन खाली नहीं जाएगा। अब क्या था ? दुर्योधन की पत्नी आई लेकिन अब भीष्म ने उसे कोई वर नहीं दिया। यह श्री कृष्ण ही थे जिनकी बदौलत कौरवों को मिलने वाला आशीर्वाद द्रोपदी के माध्यम से पाण्डवों को मिल गया। पाण्डवों के संग अन्याय होने से महाभारत हुआ। लाखों करोड़ों लोग तथा सभी कौरव मारे गये। पाण्डवों की विजय हुई लेकिन पाण्डव पक्ष की औरतों को छोड़कर पूरे हस्तिनापुर की औरतें विधवा हो गई। पाण्डवों को हस्तनापुर का राज मिल गया। सुख चैन से युधिष्ठर राजा होकर जनता की सेवा करते, राज काज करते रहे। कौरव पक्ष की औरतों को भी पूरे सम्मान के साथ सारी सुविधायें मिलती रहीं। कुन्ती, माधवी, द्रोपदी आदि रानियां अपने को जनता की सेविकायें समझ कर सेवा कार्य करती रहीं। युधिष्ठिर ने अपने भाईयों, माताओं : कुन्ती, माधवी एवं कौरव पक्ष की माताओं के साथ द्रोपदी आदि का यथायोग्य राजसी वैभव के समान आदरभाव से जो कुछ भी उनके लिए हो सकता था वो किया। अन्त में सब राजपाट, कार्य अपने पुत्रों को देकर पांचों पाण्डव, कुन्ती व द्रोपदी के संग वन में गमन कर गये और सदा-सदा के लिए बनवासी बनकर अन्त में परमधाम अर्थात प्रभु के चरणों में जा पहुंचे। पूरा महाभारत का खेल खत्म हो गया और इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होकर आज पाँच-छ: हजार वर्ष बाद भी जनता के लिए आदर्श रूप में सामने हैं। ऐसा था धर्म-अधर्म का खेल महाभारत।

इसलिए कहता हूँ मित्रों जीवन में कितनी भी परेशानियां आयें पर हमेशा सत्य व धर्म का ही साथ देना। ईश्वर आपकी मदद करेगा। **- सुरेन्द्र वर्मा (नागा)**

वास्तुविद पुष्पेन्द्र कुमावत को जापान में आयोजित 'भारतीय वैदिक साइन्स सेमिनार' में विशेष आमंत्रण

प्रसिद्ध वास्तुविद पुष्पेंन्द्र कुमावत को 22 से 31 मई तक जापान (टोक्यो) में आयोजित होने वाली 'भारतीय वैदिक साइन्स सेमिनार' में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। वह इस सेमिनार में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले एकमात्र प्रतिभागी हैं।

'फ्यूचर पॉइंट' नई दिल्ली द्वारा आयोजित इस सेमिनार में भारत के 60 विद्वानों के दल ने भाग लिया। संस्था की निदेशक आभा बंसल के अनुसार, सेमिनार में वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों और पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर वैदिक विज्ञान व ग्रहों की स्थिति के अनुसार चर्चा हुई।

माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण कानून

भारत में माता-पिता के विरुद्ध बढ़ते अपराध और उनके संरक्षण के लिए बनाए गए कानून एक गंभीर सामाजिक विमर्श का विषय हैं। आधुनिकता और एकल परिवार की बढ़ती चाहत ने बुजुर्गों को उनके ही घर में असुरक्षित बना दिया है।

शोध से पता चला है कि वृद्धजनों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा, हिंसा और शोषण विश्व भर में वरिष्ठ नागरिकों के सामने आने वाली सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों से पता चलता है कि 4 से 6 प्रतिशत वृद्धजन किसी न किसी प्रकार के दुर्व्यवहार का शिकार होते हैं, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत दर्ज नहीं किया जाता है।

डब्ल्यूईएडी का उद्देश्य समुदायों को बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की समस्या को पहचानने के लिए प्रोत्साहित करना है, और देशों को ऐसी नीतियां बनाने के लिए प्रेरित करना है जो बुजुर्गों के प्रति सम्मान को बढ़ावा दें।

माता-पिता के विरुद्ध अपराधों का स्वरूप : आज के समय में माता-पिता के खिलाफ अपराध केवल शारीरिक हिंसा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसमें मानसिक प्रताड़ना, उपेक्षा और आर्थिक शोषण भी शामिल हैं। मुख्य अपराध निम्नलिखित हैं:

- **संपत्ति हड़पना:** बच्चों द्वारा धोखे या दबाव से माता-पिता की संपत्ति अपने नाम करवाना सबसे आम अपराध है।
- **परित्याग (Abandonment):** बुजुर्गों को धार्मिक स्थलों, अस्पतालों या सड़कों पर लावारिस छोड़ देना।
- **शारीरिक और मौखिक दुर्व्यवहार:** उन्हें भोजन, दवा और बुनियादी जरूरतों से वंचित रखना।

भारत में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण कानून (Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens Act, 2007) एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच है। यह अधिनियम भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू है। यह एक केंद्रीय कानून है, लेकिन इसे लागू करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होती है। अधिकांश राज्यों ने अपने यहाँ इसके लिए नियम (Rules) बना लिए हैं और भरण-पोषण न्यायाधिकरण (Maintenance Tribunals) का गठन कर दिया है।

इस कानून का मुख्य उद्देश्य बुजुर्गों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। इसके प्रमुख प्रावधान इस प्रकार हैं:

1. भरण-पोषण का अधिकार (Maintenance Rights): संतान (बेटा, बेटी, पोता-पोती) या वे रिश्तेदार जो उनकी संपत्ति के वारिस हैं, बुजुर्गों को मासिक भत्ता देने के लिए कानूनी रूप से बाध्य हैं। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल उन्हें भुगतान करने का आदेश दे सकता है।

2. संपत्ति की सुरक्षा (Protection of Property): इस अधिनियम की धारा 23 सबसे शक्तिशाली है। यदि किसी वरिष्ठ नागरिक ने इस शर्त पर अपनी संपत्ति किसी को हस्तांतरित की है कि वह उसकी सेवा करेगा, और वह व्यक्ति सेवा नहीं करता, तो ट्रिब्यूनल उस संपत्ति हस्तांतरण (Gift Deed आदि) को रद्द (Void) घोषित कर सकता है।

3. परित्याग के लिए दंड: यदि कोई व्यक्ति अपने माता-पिता को पूरी तरह छोड़ देता है, तो उसे 3 महीने तक की जेल या रु. 5,000 तक का जुर्माना (या दोनों) हो सकता है।

4. सरल और त्वरित प्रक्रिया: बुजुर्गों को वकीलों के लंबे चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए प्रक्रिया को संक्षिप्त रखा गया है। वे सीधे एसडीएम (SDM) के समक्ष आवेदन कर सकते हैं। यह कानून ''फास्ट-ट्रैक'' सुनवाई का वादा करता है।

यहाँ इस कानून के क्रियान्वयन में आने वाली मुख्य बाधाएं और चुनौतियाँ दी गई हैं:

1. भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक प्रताड़ना : जब माता-पिता अपने बच्चों के खिलाफ अदालत जाते हैं, तो कानून वित्तीय सहायता दिला सकता है। कानून संपत्ति हस्तांतरण को रद्द सकता है। किन्तु इससे घर का माहौल अत्यंत विषाक्त हो जाता है। बच्चों द्वारा माता-पिता को अलग-थलग करना, उनसे बात न करना या उन्हें घर के एक कोने तक सीमित कर देना एक 'अदृश्य अत्याचार' बन जाता है।

2. भरण-पोषण की राशि : अदालतों द्वारा तय की गई राशि अक्सर वर्तमान महंगाई के हिसाब से बहुत कम होती है। चिकित्सा खर्चों और दवाइयों की बढ़ती कीमतों के सामने 5,000 या 10,000 रुपये की मासिक सहायता नाकाफी साबित होती है, जिससे बुजुर्गों का जीवन स्तर गिर जाता है।

3. संपत्ति हस्तांतरण को रद्द करने का अधिकार : जब संपत्ति के लालच में बच्चों द्वारा माता-पिता को घर से निकालने की कोशिश की जाती है। कानून संपत्ति हस्तांतरण को रद्द करने का अधिकार देता है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय टोल फ्री नम्बर 14567 जारी किया है, इस पर शिकायत की जा सकती है।

निष्कर्ष: केवल कानून बना देने से समाज नहीं बदलता। भारत में माता-पिता की सेवा को एक नैतिक कर्तव्य माना गया है, लेकिन आज के उपभोक्तावादी युग में यह 'कानूनी बोझ' बन गया है। इस कानून को और अधिक मानवीय बनाने, प्रक्रिया को सरल करने और बुजुर्गों के लिए 'सेफ हाउस' जैसी सुविधाओं को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है। असली सुधार कानून के डंडे से नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों के पुनरुद्धार से ही संभव है।

-**रमेश गैदर,** से.नि. उपायुक्त, राज्य कर

सामूहिक विवाहः 'कन्यादान' या संस्थागत संचयन ?

समाज को सोच बदलने की पुकार

सामूहिक विवाह सम्मेलनों का मूल विचार समाज के गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को कुरीतियों, दिखावे और कर्ज के जानलेवा बोझ से मुक्ति दिलाना था। समाज के दानदाता भी इसी पवित्र मंशा के साथ अपना सहयोग देते हैं कि उनका अंश सीधे उस बेटी के काम आए, जिसका नया जीवन शुरू हो रहा है। किंतु आज के दौर में यह व्यवस्था विकृत होती जा रही है। अनेक संस्थाएं दान में प्राप्त राशि को 'अगले वर्ष के खर्च' के नाम पर बचाकर रख लेती हैं। यहाँ आत्म-चिंतन का विषय यह है कि क्या अगले वर्ष के लिए संचित किया गया धन वास्तव में 'कन्यादान' कहलाने योग्य है ? यह केवल मेरी व्यक्तिगत सोच नहीं, बल्कि एक गहरा नैतिक प्रश्न है कि जब दानदाता की भावना वर्तमान कन्यादान की है, तो उस राशि को किसी कोष में रोक कर रखना उस पुण्य की मूल आत्मा के साथ न्याय कैसे हो सकता है ?

विडंबना यह है कि आज के भौतिकवादी युग में सेवा का यह पवित्र माध्यम कई जगह व्यवसाय का रूप ले चुका है। परिचय सम्मेलनों के नाम पर लाखों की राशि एकत्रित करना और फिर उसे समाज कल्याण के बजाय संस्थागत शक्ति प्रदर्शन या व्यक्तिगत घमंड की पूर्ति में लगाना एक गंभीर चिंता का विषय है। हमें यह समझना होगा कि सेवा का चोला पहनकर व्यापार करना मानवता के साथ सबसे बड़ा अपराध है। दानदाता का सहयोग केवल पुण्य कमाने की श्रद्धा मात्र नहीं होता, बल्कि वह एक अटूट विश्वास होता है कि उसकी मेहनत की कमाई किसी जरूरतमंद के काम आएगी। जब वह राशि विवाह के समय कन्या को न मिलकर संस्था की तिजोरी में रह जाती है, तो यह उस विश्वास के साथ छल है। आज की जागरूक युवा पीढ़ी इन विसंगतियों को देख रही है और सोशल मीडिया पर उठने वाले सवाल इस बात का प्रमाण हैं कि समाज अब खोखली परंपराओं के बजाय पूर्ण पारदर्शिता की माँग कर रहा है।

इसी सोच को बदलते हुए हमने अपनी संस्था में एक अनूठी और पारदर्शी पहल की है। हमारा मानना है कि यदि सामूहिक विवाह का असली उद्देश्य फिजूलखर्ची रोकना है, तो सहायता भी सीधी और तात्कालिक होनी चाहिए। हमारी संस्था में संपूर्ण विवाह सम्मेलन न केवल पूर्णतः निःशुल्क होता है, बल्कि आयोजन के दौरान जो भी सहयोग राशि प्राप्त होती है, उसे हम तत्काल समस्त जोड़ों को नकद 'कन्यादान' के रूप में लौटा देते हैं। दानदाता ने वह राशि संस्था की तिजोरी भरने के लिए नहीं, बल्कि उस बेटी के सम्मान के लिए दी है जो कल अपना नया घर बसाने वाली है। इस नकद सहयोग का मुख्य उद्देश्य यह है कि नवविवाहित जोड़ा अपनी गृहस्थी की शुरुआत आर्थिक मजबूती के साथ करे और विवाह के पश्चात उन्हें किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े। असली समाज सेवा तब है जब वह पिता रात को चैन की नींद सो सके कि उसे अपनी बेटी के हाथ पीले करने के लिए किसी सूदखोर के आगे झुकना नहीं पड़ा।

अंततः वक्त आ गया है कि हम केवल तालियों की गड़गड़ाहट और भीड़ जुटाने के लिए आयोजन न करें, बल्कि समाज के प्रति अपनी जवाबदेही तय करें। किसी भी संस्था की सफलता उसके बैंक बैलेंस से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि उसने कितने परिवारों को कर्ज के दलदल से बाहर निकाला है। यदि हम दान की राशि को अमानत मानकर उसे तत्काल बेटियों को नहीं सौंप सकते, तो हमें खुद को समाज सेवक कहलाने का कोई हक नहीं है। आइए, एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहाँ दान का पुण्य सीधे जरूरतमंद के आँगन में बरसे, न कि संस्थाओं के बंद खातों में। जब तक हम अपनी सोच में यह क्रांतिकारी बदलाव नहीं लाएंगे, तब तक सामूहिक विवाह का वास्तविक उद्देश्य केवल कागजों तक ही सीमित रहेगा। अपनी सोच बदलिए, तभी समाज बदलेगा।

यह मेरे केवल मेरे मन के विचार है जो हमने महसूस किए और हमारी संस्था ने उसे एकात्म कर किया क्या हमारे समाज में बैठे यह कार्य को आगे बढ़ांएगे, यह तो वक्त बताएगा........!

- अमरचंद कुमावत

सामाजिक कुरीतियों के खात्मे के लिए निर्णय

अध्यक्ष, मंत्री व खंजाजी ने संभाला कार्यभार

पीसांगन सिटी। कुमावत समाज की बैठक समाज की हथाई पर श्री चम्मालिसा क्षेत्रीय कुमावत सेवा संस्थान के अध्यक्ष मुन्नालाल धनेरिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समाज के चुने गए अध्यक्ष, मंत्री व खंजाची ने पदभार संभालते समाज के चहुंमुखी विकास का भरोसा दिलाया। बैठक में गत दिनों पुष्कर में आयोजित कुमावत श्री 44 क्षत्रीय कुमावत सेवा संस्थान की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी समाजसेवी प्रदीप कुमावत ने समाजबंधुओं को अवगत कराया गया।

बैठक में फतेहपुरा रोड पर स्थित कुमावत समाज की जमीन पर कुंभाजी का मंदिर बनाने पर सहमति बनी। धन संग्रह समाज से ही करने का निर्णय लिया गया। समाज द्वारा दिए गए भवन किराया व कुछ समाज बंधुओं को उधार दी गयी धनराशि को आयोजित बैठक में खजांची को जमा करने पर चर्चा की गई। बैठक में ही नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुकेश दादरवाल फौजी, मंत्री भंवरलाल धनेरिया, खजांची नोरतमल धनेरिया का स्वागत किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुकेश दादरवाल ने कहा कि समाज के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इसी दरमियान समाज के कई बंधुओं ने किसी की मृत्यु के 12वें दिन पर ही गंगा प्रसादी या तीन दिन बाद गंगा प्रसादी के नाम पर की जाने वाली सवामणि का भी विरोध किया। इस पर श्री चम्मालिसा कुमावत सेवा संस्थान पुष्कर के अध्यक्ष मुन्नालाल धनेरिया ने कहा कि किसी की मृत्यु पर गंगा प्रसादी पर खास रिश्तेदारों को ही निमंत्रित किया जाए।

बढ़ते कदम : शिक्षा, संस्कार और सपनों की दिशा में बढ़ती पीढ़ी...

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके विद्यालयों में नहीं, बल्कि उन बच्चों के मन और विचारों में आकार लेता है जो आज शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यही बच्चे आने वाले समय में समाज का नेतृत्व करेंगे, विज्ञान को नई दिशा देंगे, संस्कृति को आगे बढ़ाएंगे, अर्थव्यवस्था को गति देंगे और मानवता के मूल्यों को जीवित रखेंगे। इसलिए बच्चों के बढ़ते कदम केवल उनकी व्यक्तिगत प्रगति का विषय नहीं हैं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र के विकास का आधार हैं।

वर्तमान समय परिवर्तन का समय है। दुनिया तेजी से बदल रही है। तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल क्रांति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा ने जीवन के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। ऐसे समय में बच्चों के सामने अवसरों का विशाल संसार खुला हुआ है। वे आज घर बैठे विश्वस्तरीय ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं, नई भाषाएँ सीख सकते हैं, विज्ञान और तकनीक के नवीनतम प्रयोगों को समझ सकते हैं और अपनी प्रतिभा को वैश्विक मंच तक पहुँचा सकते हैं। लेकिन इन अवसरों के साथ चुनौतियाँ भी उतनी ही बड़ी हैं। यही कारण है कि बच्चों के बढ़ते कदमों को केवल आगे बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, उन्हें सही दिशा देना भी आवश्यक है।

शिक्षा इस दिशा का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। किंतु शिक्षा का अर्थ केवल पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन या परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करना नहीं है। वास्तविक शिक्षा वह है जो व्यक्ति को सोचने की क्षमता दे, निर्णय लेने का विवेक दे, जीवन की चुनौतियों का सामना करने का साहस दे और उसे एक बेहतर मनुष्य बनने की प्रेरणा प्रदान करे। यदि शिक्षा केवल प्रमाणपत्रों तक सीमित रह जाए तो उसका उद्देश्य अधूरा रह जाता है। शिक्षा का वास्तविक लक्ष्य ज्ञान के साथ-साथ चरित्र निर्माण भी है।

आज समाज में अक्सर सफलता को अंकों और उपलब्धियों के आधार पर मापा जाता है। बच्चों की तुलना उनके सहपाठियों से की जाती है। किसी बच्चे के 95 प्रतिशत अंक आने पर उसकी प्रशंसा होती है और अपेक्षाकृत कम अंक प्राप्त करने वाला बच्चा स्वयं को पीछे समझने लगता है। यह प्रवृत्ति चिंताजनक है। प्रत्येक बच्चा अपनी विशिष्ट प्रतिभा, रुचि और क्षमता के साथ जन्म लेता है। कोई विज्ञान में उत्कृष्ट होता है, कोई कला में, कोई खेल में, कोई संगीत में और कोई नेतृत्व क्षमता में। शिक्षा का उद्देश्य इन विविध प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें विकसित करना होना चाहिए, न कि सभी बच्चों को एक ही मापदंड से आंकना।

बच्चों के बढ़ते कदमों में परिवार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता बच्चे के प्रथम शिक्षक होते हैं। उनका व्यवहार, उनकी सोच और उनके जीवन मूल्य बच्चों के व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव डालते हैं। आज अधिकांश माता-पिता अपने बच्चों को सर्वोत्तम सुविधाएँ देना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे जीवन में सफल हों और वे उन कठिनाइयों का सामना न करें जिनसे उन्हें स्वयं गुजरना पड़ा था। यह भावना स्वाभाविक और सराहनीय है। किंतु कभी-कभी अनजाने में अपेक्षाओं का अत्यधिक दबाव बच्चों के मानसिक विकास को प्रभावित करने लगता है।

बच्चों को सफलता के लिए प्रेरित करना आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है उन्हें यह विश्वास दिलाना कि उनका मूल्य केवल उनके अंकों या उपलब्धियों से निर्धारित नहीं होता। जब बच्चों को यह अनुभव होता है कि परिवार उन्हें उनकी असफलताओं सहित स्वीकार करता है, तब उनमें आत्मविश्वास विकसित होता है। आत्मविश्वास वह शक्ति है जो किसी भी बच्चे को कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

आज के समय में डिजिटल तकनीक बच्चों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। मोबाइल फोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने शिक्षा को पहले की तुलना में अधिक सुलभ बनाया है। कोविड-19 महामारी के दौरान पूरी दुनिया ने देखा कि डिजिटल माध्यमों ने शिक्षा को निरंतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। किंतु तकनीक का दूसरा पक्ष भी है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम, सोशल मीडिया की लत, एकाग्रता में कमी और मानसिक तनाव जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं।

बच्चों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है सूचना और ज्ञान के बीच अंतर को समझना। इंटरनेट पर उपलब्ध प्रत्येक जानकारी उपयोगी या सत्य नहीं होती। इसलिए बच्चों को केवल तकनीक का उपयोग करना ही नहीं, बल्कि उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना भी सिखाना होगा। डिजिटल साक्षरता आज के युग की महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुकी है। जिस प्रकार पढ़ना और लिखना आवश्यक है, उसी प्रकार डिजिटल माध्यमों का जिम्मेदार उपयोग भी आवश्यक है।

शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का महत्व भी उतना ही है। ज्ञान व्यक्ति को सक्षम बनाता है, लेकिन संस्कार उसे श्रेष्ठ बनाते हैं। यदि किसी बच्चे के पास उत्कृष्ट शिक्षा है, लेकिन उसमें संवेदनशीलता, ईमानदारी, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी का भाव नहीं है, तो उसका विकास अधूरा माना जाएगा। समाज को ऐसे नागरिकों की आवश्यकता है जो केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी सोच सकें।

- सीमा कुमावत

शेष आगामी अंक में...

परम्पराएं रूढ़िवादिता नहीं

परम्पराएं या रीति रिवाज जो पुराने समय से हमारी जीवन शैली का प्रमुख अंग रहे हैं, आज की युवा पीढ़ी उन्हें रूढ़िवादिता का नाम देती है। कहीं उन्हें अंधविश्वास व कहीं दखियानूसी पुरानी सोच समझा जाता है। मगर वास्तविकता यह है कि परम्पराएं किसी भी विषय से या जीवन के किसी भी क्षेत्र से संबंधित हो चाहें जन्म या मृत्यु से या मासिक धर्म व प्रसव से जुड़ी बातें, शादी ब्याह के संस्कारों से जुड़े रिवाज हो या खान-पान व शयन-प्रात: जागने व स्नान से जुड़े नियम हो या महिलाओं के साज शृंगार व पहनावे से जुड़े मूल्य तथा रोजमर्रा के जीवन में अपनाएं जाने वाले नियम तथा व्रत-उपवास, उत्सव इन सभी के पीछे कोई ना कोई ठोस वैज्ञानिक तथ्य छुपा होता है। भले ही हमारी पिछली पीढ़ियों को किताबी शिक्षा का बहुत ज्यादा ज्ञान नहीं था। उन्हें विद्यालयों व विश्वविद्यालयों की बड़ी-बड़ी डिग्रियां प्राप्त नहीं थी मगर वे स्वयं में ज्ञान के भंडार थे। वे व्यवहारिक शिक्षा व सूझ-बूझ के धनी होते थे। उनके बनाएं हर नियम के पीछे एक ठोस तर्क होता था। वे तथ्यों को तार्किकता के साथ अपनाते थे। आज भले ही हमें उन बातों कोई सार या औचित्य नजर नहीं आता मगर यह हमें हमारी अज्ञानता का बोध कराता है। हमारे अहम् तथा बहस की सामर्थ्य के चलते हम अपनी जिद पर अड़ कर वाद विवाद करते हैं कि ये सब पुरानी व दकियानूसी सोच है मगर सत्यता ये है कि प्रत्येक परम्परा किसी ना किसी वैज्ञानिक तथ्य या प्राकृतिक व्यवस्था से जुड़ी होती है। हालांकि कुछ सामाजिक मूल्य ऐसे भी हैं जिनका औचित्य तत्कालीन परिस्थितियों में महत्वपूर्ण हुआ करता था परन्तु आज की परिस्थितियों में या वर्तमान परिवेश व जीवन शैली उनकी आवश्यकता उतना महत्व नहीं रखती तो ऐसी परिस्थिति में उन मूल्यों को हम शांति से अनदेखा कर सकते हैं। इनमें से अधिकांश परम्पराएं समय की मांग के अनुसार तत्कालीन परिस्थितियों में समय विशेष पर बनायी गयी जैसे मुगलों के शासन काल में पर्दा प्रथा का प्रचलन हुआ। यह उस समय की परिस्थिति के अनुकूल था। आज परिवेश पूरी तरह बदल चुका है तो इस परम्परा को छोड़ा जा सकता है। मगर मानव शरीर क्रिया विज्ञान या जीव विज्ञान आज भी उतना ही तर्कशील है जितना कि सहस्रों वर्ष पूर्व हुआ करता था। इन परम्पराओं की अवहेलना व ह्रास दरअसल हमारा ही नुकसान है। कहीं ना कही किसी ना किसी रूप में हमें इसका प्रतिकूल परिणाम भुगतना पड़ता है। आज असंख्य बीमारियों का कहर इन मूल्यों के अनुरूप नहीं चलने के कारण ही है। यही कारण है कि आज सारी सुविधाएं व आदर्श जीवन स्तर होते हुए भी हम शारीरिक, आर्थिक, सामाजिक तथा मानसिक रूप से सुदृढ़ नहीं हैं।

हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी, यदि हम एक स्वस्थ व व्यवस्थित जीवन की आकांशा रखते हैं तो प्राचीन मूल्यों को मानना ही पड़ेगा। सम्पूर्ण भी नहीं पर अधिकांश परम्पराओं को अपने जीवन दर्शन में उतारना ही पड़ेगा नहीं तो हमारा सामाजिक, नैतिक, शारीरिक व मौलिक ह्रास निरन्तर बढ़ता ही जाएगा। यह विनाश की दिशा में होने वाले प्रारम्भिक संकेत हैं जो हमें संचेत करते हैं कि समय रहते अपने मूल्यों व परम्पराओं के महत्व को नहीं समझा तो हमें काल के विनाश से कोई नहीं बचा सकता। एक ही आलेख में हम इन मूल्यों के विषय में विस्तार से चर्चा नहीं कर सकते इसलिए हम छोटे-छोटे भागों में प्रत्येक परम्परा के विषय में विस्तार से चर्चा करेंगे। तो मिलते हैं अगले अंक में...

- उर्वशी बालोदिया

कानूनी जानकारी

फैसला : बीकानेर के एक मामले में तलाक को मंजूरी दी

आटा-साटा पर हाईकोर्ट की सख्ती; कहा... बेटियां सौदे की वस्तु नहीं

जोधपुर हाईकोर्ट ने आटा-साटा प्रथा और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथाओं पर सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि बेटियों को पारिवारिक समझौते या लेन-देन का माध्यम नहीं बनाया जा सकता। ऐसी प्रथाएं संविधान, महिला गरिमा तथा बाल अधिकारों के खिलाफ हैं। जस्टिस अरुण मोंगा व जस्टिस सुनील बेनीवाल की खंडपीठ में पत्नी की ओर से फैमिली कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। फैमिली कोर्ट ने तलाक याचिका खारिज कर दी थी और माना था कि पत्नी ने पारिवारिक विवाद के कारण स्वेच्छा से ससुराल छोड़ा था। पत्नी ने आरोप लगाया था कि शादी के बाद उसे लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। मोटरसाइकिल और सोने के आभूषणों की मांग की जाती थी तथा उसके साथ मानसिक और शारीरिक क्रूरता की गई। महिला थाना बीकानेर में दर्ज एफआईआर के बाद पति और उसके पिता के खिलाफ विभिन्न धाराओं में चार्जशीट पेश की गई थी। कोर्ट ने महिला के तलाक को मंजूरी दे दी।

कोर्ट ने कहा कि कई महिलाएं सामाजिक दबाव, आर्थिक निर्भरता और बच्चों के कारण प्रताड़ना सहने को मजबूर रहती हैं। खंडपीठ ने आटा-साटा प्रथा को मानव जीवन का आदान-प्रदान बताते हुए कहा कि यह व्यवस्था लड़कियों की स्वतंत्रता और सहमति को समाप्त करती है।

विशिष्ट संरक्षक

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मंडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत
वि/153 डॉ. अनूप कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/154 श्री महेश जोहरी, लालकोठी, जयपुर
वि/155 श्री सोभाग्य चंद्र कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/156 डॉ. डी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/157 श्री वीरेन्द्र सिंह तारकशी, लक्ष्मी आभूषण मंदिर, जयपुर

"कुमावत इंडिया" पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

24 अप्रेल श्रीमी सूरज देवी पत्नी स्व. रामप्रसाद तोंदवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
24 अप्रेल श्री रूड़मल पुत्र स्व. श्री रामनारायण जलांधरा, झोटवाड़ा, जयपुर
25 अप्रेल श्री रामनारायण मोरवाल पुत्र स्व. श्री घासीराम, गूलर का बंधा, सांगानेर
27 अप्रेल श्री जितेन्द्र पुत्र स्व. श्री हनुमान सहाय बड़ीवाल शास्त्री नगर, जयपुर
27 अप्रेल श्री कैलाश बालोदिया, सोढाला, जयपुर
28 अप्रेल श्री जमनालाल मारोठिया, ग्राम खोरी, शाहपुरा
30 अप्रेल श्री दुर्गाशंकर खरोलिया, हीरापुरा, जयपुर
1 मई श्रीमती सुषमा देवी पत्नी स्व. श्री बाबूलाल छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
1 मई श्री रामनारायण खोवाल, महेश नगर, जयपुर
4 मई श्री मालीराम धुंधारिया, प्रेमनगर, झोटवाड़ा, जयपुर
9 मई श्री धमेन्द्र मंडलिया, सावेर, इंदौर
11 मई श्री मूलचंद बैरा, जयपुर
16 मई श्रीमती सीतादेवी दम्बीवाल पत्नी स्व. श्री बिहारी लाल, ब्यावर
18 मई श्रीमती कमली देवी पत्नी श्री महेश चंद मारवाल, माचेड़ा, जयपुर
18 मई श्रीमती वत्सल बाई गोविन्द कुमावत कारवाल
19 मई श्री प्रभु कुमावत पुत्र स्व. श्री सुवालाल पार्श्वनाथ कॉलोनी, निर्माण न गर, जयपुर
20 मई श्री रविन्द्र कुमार कुलचानिया, मिश्राजाजी का रास्ता, जयपुर
26 मई श्री गणेश कुसुम्बीवाल, मदनगंज-किनगढ़
26 मई श्रीमती निर्मला रेडवाल पत्नी स्व. श्री लक्ष्मीलाल, उदयपुर
26 मई श्री हुक्मीचंद पुत्र स्व. श्री रामचंद धुमाणिया, ब्यावर
26 मई श्री जगदीश प्रसाद धुंधारिया, निवारू, जयपुर
28 मई श्री ओम प्रकाश गेदर, शास्त्रीनगर, जयपुर
1 जून श्रीमती भगवती देवी पत्नी श्री गणेश नारायण कारगवाल, मुरलीपुरा, जयपुर
2 जून श्रीमती कस्तूरी बाई पत्नी श्री बंशीलाल अजमेरा,नीमच
2 जून श्री रामरतन कुण्डलवाल पुत्र स्व. श्री रूडमल हरमाड़ा, जयपुर
2 जून श्री प्रकाश चंद कुमावत (खण्डारिया) पुत्र स्व. श्री अर्जुन किशोर, वनस्थली मार्ग, जयपुर
5 जून श्री राजेश खोवाल, लालकोठी स्कीम, जयपुर
6 जून डॉ. श्री हीरालाल भदानिया, मंदसौर
8 जून श्री विजय कुमावत पुत्र श्री मुन्नालाल, पुष्कर
8 जून श्रीमती सुशीला कुमावत पत्नी स्व. श्री इन्द्रचन्द, अजमेर
11 जून श्रीमती नौसर देवी पत्नी स्व. श्री बाबूलाल दम्बीवाल, जयपुर
12 जून श्री बाबूलाल वर्मा (किरोड़ीवाल) चौमूं

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र स्वयं	गौत्र माता	गौत्र दादी	गौत्र नानी	संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
जीवन	B.A.	Pvt. Job	15.12.96	-	गठेलीवाल	बासनीवाल	भोरोदिया	मारोठिया	9680155156	सीकर
हेमराज	Architecture	civil enginer	2.1.99	5'8''	जलान्दरा	छिछोलिया	पीपलोदा	किरोड़ीवाल	9414406579	जयपुर
रोहित	12th	Pvt. Job	25.4.2003	5'3''	जेठीवाल	खडाड	देवतवाल	आचीन्दा	9785600461	जयपुर
पियूष	B.Tech (E.C.)	Tutor in coaching	5.9.97	6'0''	मावर	पारमवाल	धनेरिया	मारोठिया	9950611336	अजमेर
चंद्रप्रकाश	B, Tech. (EEE)	Sen.Sec. Engi. (Rly)	1.1.96	5'8''	किरोडीवाल	रतिवाल	कांटीवाल	निरानिया	9829045753	पिलानी
राकेश	B.Sc.	Business	15.1.96	5'11''	जलान्दरा	मारवाल	कुण्डलवाल	दम्बीवाल	8824465770	निवाणा
मयंक	B. Tech. (Mech.)	P.O. Bank (Govt. officer)	18.11.2000	6'0''	मावर	पारमवार	नरेरिया	मारोठिया	9950611336	अजमेर
अमित	B.Sc.	Pvt. Job	18.4.1996	5'6''	गुडीवाल	सारडीवाल	तूंदवाल	जलान्दरा	9462219638	जयपुर
रोहन	M.Com.	Accountant in Pvt.Ltd.	19.8.1996	5'6''	देवतवाल	धीजपुरिया	घोड़ेला	कोलगुरिया	9461203800	जयपुर
आशीष	B.Tech. (Civil)	Senior Supervisor	13.11.92	5'8''	रेनवाल	घोड़ेला	राहोरिया	जलान्दरा	9588289179	जयपुर
अजय	M.A., PGDCA	सूचना सहा.	26.5.96	5'7'	कारगवाल	तुनवाल	दम्बीवाल	पारमुवाल	8441006025	सीकर
विवेक	ITI (Elect.)	Pvt. Ltd.	30.5.95	5'4'	किरोड़ीवाल	राजोरिया	रेनीवाल	सिरस्वा	9351857301	जयपुर
जीतेश	B.A.	Senior Society Manager	26.11.96	5'8''	कारगवाल	जलान्दरा	खोवाल	मारवाल	9928140280	जयपुर
भुवनेश	B.A.	Self Business	2.11.200	5'8''	जलान्दरा	जालवाल	धुंधारिया	बालोदिया	8000788131	जयपुर
नवरतन	B.A.	Self 'E' Mitra shop	15.8.95	5'7''	मारोठिया	आसीवाल	किरोड़ीवाल	खोवाल	9509414401	जयपुर
गौरव(मांगलिक)	12th, computer class	Pvt. Job	17.6.95	5'8''	झुंझनोदिया	बैरा	कटुंबरा	छापोला	7023995633	जयपुर
सुरेश	B.A.	CCTV Camera Self business	8.6.96	-	खरगटा	घोड़ेला	नेमीवाल	देवतवाल	9549558839	फुलेरा
रमेश	M.Sc., B.Ed.	Teacher Kendriya vidyalya	9.9.98	5'7''	खडिया	गोयल	मोटावट	मन्नीया	8058846231	जैतारण
कुलदीप	B.Sc.(Nursing)	Senior Nursing officer	1.8.92	5'8''	नीमीवाल	नराणिया	पीपलोदा	मारोठिया	9460524353	नागौर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र स्वयं	गौत्र माता	गौत्र दादी	गौत्र नानी	संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
कुनीका	MCA	Software Engineer	6.3.98	5'3''	भोरोदिया	कारगवाल	छाबल्या	खोवाल	7877771385	जयपुर
ज्योति (तलाकशुदा)	MA,B.Ed.	--	36 वर्ष	-	राहोरिया	खाटुवाल	तून्दवाल	देवतवाल	8114416776	
सिमरन	M.Com	SBI	25.1.96	5'3''	घोड़ेला	छिछोलिया	दम्बीवाल	अजमेरा	9950645151	किशनगढ़
चन्दा	M.Sc. (Zoology)	ANM in Govt. Hospital	10.6.95	5'3''	जेठीवाल	घोड़ेला	सिरस्वा	नेमीवाल	8949207407	दांतारामगढ़
पूजा	M.A.	--	25.6.96	5'2''	राहोरिया	मारवाल	घोड़ेला	बबेरवाल	9680159526	जयपुर
अंकिता	B.Sc., B.Ed.	--	28.11.2000	5'3''	मारोठिया	करोड़ीवाल	राहोरिया	केलूगरिया	9982362225	
डिंपल	M.A.	--	13.6.97	-	नीमीवाल	सिरस्वा	दादरवाल	कुलासिया	8094835445	जयपुर
प्रीति	M.Sc., B.Ed.	--	23.11.95	5'2''	उदयवाल	मारोठिया	मारवाल	केलुगरिया	9414236451	जयपुर
शारदा	M.A.,GNM	Nursing officer Govt.	1994	-	कुन्डलवाल	दम्बीवाल	होदकास्या	बडबून्दी	9001956606	जयपुर
डॉ. विधि	BDS	-	29.12.2001	5'8''	अडानिया	आसीवाल	सिंघनवाल	डाल	9979226104	उदयपुर
साक्षी	M.A.	Stanographar (Delhi)	12.9.2000	5'4''	धमुनिया	सिरसवा	घोड़ेला	मारवाल	9680194333	जयपुर
खुशी	MBA, HR Finance	ICICI Bank	6.3.97	5'7''	गोले	-	चन्दोरे	गैदर	7898253309	म.प्र.
प्रीति	M.A.	MNC	17.9.2000	5'4''	मावर	अनावड़िया	दादरवाल	जलान्दरा	9214835305	अजमेर
गरिमा	M.Com., C.A.	CA	7.6.96	5'4''	धुंधारिया	दम्बीवाल	बडानिया	नरानिया	9024129220	जयपुर
आरती	M.Com. RSCIT	--	22.1.98	5'1''	जायलवाल	मारोठिया	केलूगरिया	राहोरिया	9785297653	ब्यावर
अनामिका(मांगलिक)	12th	--	23.8.2004	5'0''	मनेठिया	बागोरिया	कुकडवाल	धमेरिया	9035235353	ब्यावर
दीप्ती	B.Com.	--	3.10.2001	5'4''	दम्बीवाल	मारवाल	राजोरिया	राहोरिया	9636263947	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी निःशुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुनः भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mailÑkumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/69 तक के पांच वर्षीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में निःशुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

KB Mart

Kumawat Business Mart

कुमावत समाज का अपना डिजिटल बिज़नेस प्लेटफॉर्म

कुमावत समाज के व्यापारियों, सेवा प्रदाताओं, प्रोफेशनल्स और उद्यमियों को एक साथ जोड़ने वाला विश्वसनीय और मजबूत ऑनलाइन प्लेटफार्म

एक प्लेटफार्म, हजारों अवसर
समाज का साथ, व्यापार की बात

आपका व्यवसाय किसी भी क्षेत्र से जुड़ा हो

दुकान / रिटेल	सर्विस	कोचिंग / एजुकेशन	रियल एस्टेट
मैन्युफैक्चरिंग	डिजिटल सर्विस	मेडिकल / हेल्थ	ट्रांसपोर्ट / लॉजिस्टिक्स
ज्वेलरी / फैशन	होटल / रेस्टोरेंट	कंसल्टेंसी / प्रोफेशनल	अन्य व्यवसाय

तो आप अपना बिजनेस की KB-Mart पर रजिस्टर करवा सकते हैं

KB-Mart से जुड़ने के फायदे

- **ऑनलाइन पहचान** – आपके बिजनेस को मिलेगी डिजिटल पहचान
- **समाज तक पहुंच** – कुमावत समाज के हजारों लोगों तक आपका व्यापार
- **सिटी वाइज सर्च** – शहर और पिनकोड के अनुसार आपकी लिस्टिंग दिखेगी
- **कैटेगरी वाइज सर्च** – ग्राहक आपकी कैटेगरी के अनुसार आसानी से आप तक पहुंचेंगे
- **वेरिफाइड प्रोफाईल** – Verified Profile से आपके बिजनेस पर भरोसा बढ़ेगा
- **डायरेक्ट संपर्क** – ग्राहक आपसे सीधे कॉल, व्हाट्सएप या इनक्वायरी कर पाएंगे
- **प्रमोशन का मौका** – अपने प्रोडक्ट और सर्विस का प्रचार करने का अवसर
- **बिजनेस ग्रोथ** – डिजिटल प्रमोशन से आपके व्यापार में होगी ग्रोथ

हमारा उद्देश्य

कुमावत समाज के हर व्यवसाय को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना, समाज के व्यापारियों को एक -दूसरे से जोड़ना और समाज की आर्थिक शक्ति को और अधिक मजबूत बनाना ।

अपना बिजनेस KB-Mart पर
रजिस्टर करें आज ही !
आज जुड़े कल बड़े हमेशा आगे रहे

www.kumawatbmart.com
9799945847
helpdesk@kumawatbmart.com

— समाज से व्यापार, व्यापार से विकास —

स्व. श्रीमती फूला देवी
स्वर्गवास: 20 मई, 2016

शत् शत् नमन

स्व. श्रीमती फूला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री फूलचन्द जी बालोदिया (माता पिता)
की पुण्य तिथि पर उनके पुत्र माधवदास बालोदिया द्वारा आयोजित

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण, स्वास्थ्य चिकित्सा एवं तम्बाकू मुक्ति शिविर

निःशुल्क कैंसर जांच जागरूकता शिविर

भगवान महावीर कैंसर हॉस्पीटल, कैंसर केयर द्वारा

ब्लड डोनेशन शिविर (एस.एस. ब्लड सेन्टर द्वारा)

रविवार 7 जून, 2026

स्व. श्री फूलचन्द बालोदिया
स्वर्गवास: 4 जून, 1990

शिविर की झलकियाँ

माधव दास बालोदिया परिवार, जयपुर

Artist MADHAV

Madhav PRODUCTION

Email.: artist_madhav@yahoo.co.in I artistmadhav@gmail.com

Specialist for thermocol job all kinds of venue decoration

"Balodia House", J-10-926, Ashok Chowk, Adarsh Nagar, Jaipur-302004

भाजपा ओबीसी मोर्चा, राजस्थान में

प्रदेश उपाध्यक्ष बनाने पर

माननीय मुख्यमंत्री
श्री भजनलाल जी शर्मा

माननीय प्रदेशाध्यक्ष भाजपा
श्री मदन जी राठौड़

माननीय प्रदेशाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा
श्री महेन्द्र जी कुमावत

का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद

चेतन कुमावत

प्रदेश उपाध्यक्ष

भाजपा ओबीसी मोर्चा
राजस्थान

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

ADMISSION OPEN

RNI - RAJHIN/2017/74285

Vijay Anand
International Academy

Vill. AkedaChoud, Via-Jahota. Tah. Rampura Dabri,
Distt. Jaipur (Raj) - 303701 Call 9460852525

Special Features

1. 100% Result
2. Centrally Air Cooled School
3. Vehicle Facility
4. Smart Classrooms
5. Highly Educated Teachers
6. International Level Syllabus
7. Worldwide Education Approaches at Home
8. Computer Coding and Programming
9. Separate Labs for Primary, Middle and Higher Classes

Nursery to X
(English Medium)

Your child deserve the Best Education

CCTV SURVEILLANCE 24X7

Director
Deendayal Kumawat

Co-ordinator
Monika Kumawat
(M.Com., B.Ed.)

Principal
Anita Chejara
(M.A., B.Ed.)

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018